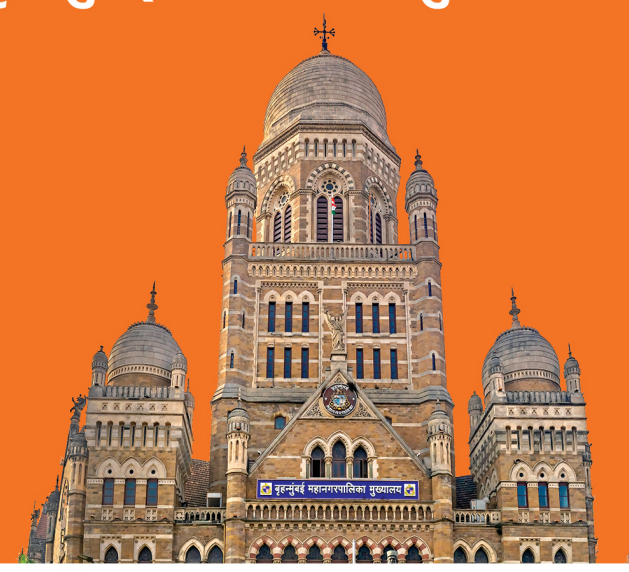

वर्ष : 34 | अंक : 306 | मुंबई, सोमवार, 12 जनवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

# DBD दो बजे दोपहर

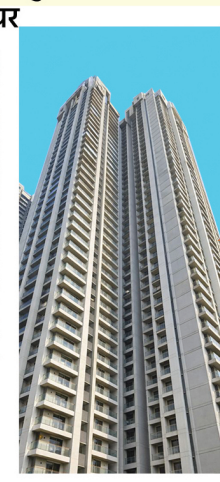

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

## ठाणे चुनाव में बीजेपी युति को मिला धड़क श्रमिक संगठन का समर्थन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आगामी आम चुनावों के मद्देनजर धड़क श्रमिक संगठन फेडरेशन ने भारतीय जनता पार्टी गठबंधन द्वारा ठाणे में उतारे गए सभी अधिकृत उम्मीदवारों को जन समर्थन देने की घोषणा की है। अभिजीत राणे ने इस संबंध में रविवार को बीजेपी को एक पत्र सौंपा। उन्होंने संगठन की ओर से स्पष्ट किया कि सभी मेंबर और कार्यकर्ता बीजेपी-युति के उम्मीदवारों के लिए सक्रिय प्रचार और मतदान में भाग लेंगे। धड़क मजदूर संगठन, जो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में राज्यभर में काम करता है, आज 7 लाख से अधिक सदस्यों वाला एक मजबूत और संगठित परिवार है। यह संगठन वर्कर्स के अधिकारों, रोजगार सुरक्षा, सामाजिक न्याय और सतत विकास के मूल्यों में दृढ़ विश्वास रखता है। अभिजीत राणे ने भरोसा जताया कि यह गठबंधन बीजेपी की विकासोन्मुख नीतियों, पारदर्शी प्रशासन की भूमिका और बीजेपी राज्य अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के मार्गदर्शन में ठाणे की समग्र प्रगति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

### आगामी चुनाव की रणनीति

राणे ने कहा कि धड़क कामगार यूनियन महासंघ के सभी सदस्य, पदाधिकारी और कार्यकर्ता आने वाले ठाणे महानगरपालिका चुनाव में महायुति की जीत के लिए संगठित रूप से प्रचार करेंगे और मतदान करेंगे।

## चुनाव ड्यूटी का आदेश मानने से इनकार पर स्कूल प्रिंसिपल के खिलाफ मामला

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका आम चुनाव 2025–26 के तहत चुनाव ड्यूटी से जुड़े आदेशों का पालन न करने पर ठाणे के रेनबो इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने यह जानकारी दी। आयुक्त सौरभ राव के अनुसार, राज्य चुनाव आयोग की गाइडलाइन के तहत 15 जनवरी 2026 को होने वाले ठाणे मनपा चुनाव के लिए विभिन्न सरकारी, अर्ध-सरकारी संस्थानों के साथ-साथ निजी स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों को पोलिंग स्टेशनों पर नियुक्त किया गया है।

### सख्त चेतावनी

आयुक्त सौरभ राव ने सभी शैक्षणिक संस्थानों, निजी प्रतिष्ठानों और नागरिकों से चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न कराने में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि 14 और 15 जनवरी 2026 को चुनाव ड्यूटी के लिए नियुक्त कर्मचारी यदि अनुपस्थित पाए गए, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### कानूनन अनिवार्य है सहयोग

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करना कानूनन अनिवार्य है और मतदान राष्ट्रीय कर्तव्य है। जानबूझकर आदेशों का उल्लंघन करना और चुनाव कार्य में बाधा डालना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। ठाणे मनपा चुनाव विभाग की शिकायत पर संबंधित प्रिंसिपल और स्कूल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 223 सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

### आदेश लेने से किया इनकार

चुनाव विभाग के कर्मचारी जब रेनबो इंटरनेशनल स्कूल में नियुक्ति आदेश देने पहुंचे, तो स्कूल की प्रिंसिपल विमलेश सिंधु ने आदेश स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद आधिकारिक रूप से दोबारा आदेश जारी किया गया, लेकिन उसे भी लागू नहीं किया गया। मनपा चुनाव विभाग ने इसके बाद स्कूल को नोटिस जारी किया, जिसे भी मानने से इनकार कर दिया गया। प्रशासन के अनुसार यह चुनाव प्रक्रिया में जानबूझकर बाधा उत्पन्न करने का मामला है।

## निवेश के नाम पर HR मैनेजर से 36 लाख रुपए की साइबर ठगी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई में साइबर ठगों ने ऑनलाइन निवेश के नाम पर एक कंपनी के एचआर मैनेजर से 36 लाख रुपए से अधिक की ठगी कर ली। अधिक मुनाफे का झांसा देकर की गई इस धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, पीड़ित से एक महिला ने संपर्क किया, जिसने खुद को सेबी (SEBI) में पंजीकृत एक फर्म की प्रतिनिधि बताया। महिला ने शेयर ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफा दिलाने का दावा करते हुए पीड़ित को एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा।

### शुरुआती मुनाफे से जीता भरोसा

नेरुल पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर ब्रह्मानंद नाइकवाड़ी ने बताया कि आरोपी के कहने पर पीड़ित ने दिए गए लिंक को डाउनलोड किया। शुरुआत में करीब 50 हजार रुपए का मुनाफा दिखाया गया, जिससे उसका भरोसा बढ़ गया। इसके बाद पीड़ित ने अगस्त और सितंबर 2025 के बीच अलग-अलग किश्तों में कुल 36.74 लाख रुपए का निवेश किया। हालांकि, जब उसने मुनाफा निकालने की कोशिश की तो वह असफल रहा और उसे ठगी का एहसास हुआ। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत आपराधिक विश्वासघात सहित अन्य धाराओं में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं।

## नासिक में एफडीए ने जब्त किए 9.71 करोड़ रुपए के बैन तंबाकू उत्पाद

**नासिक।** फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) की विशेष टीम ने नासिक जिले में करीब 9.71 करोड़ रुपए मूल्य के बैन किए हुए फ्लेवर्ड तंबाकू और गुटखा जब्त किए हैं। इस कार्रवाई में 11 लोगों के खिलाफ फूड सेफ्टी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

### 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

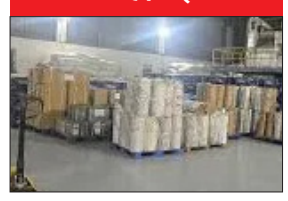

एफडीए के डिवीजनल जॉइंट कमिश्नर मनीष सानप के अनुसार, गोपनीय जानकारी मिलने के बाद टीम ने 8 जनवरी को तलेगांव स्थित एलीटकोन इंटरनेशनल लिमिटेड और डिंडोरी की गोल्डन क्रायो प्राइवेट लिमिटेड में छापा मारा। इस दौरान 508 बाक्स फ्लेवर्ड तंबाकू जब्त किए गए।

उन्होंने बताया कि 10 जनवरी को एफडीए और वाडीवरे पुलिस की संयुक्त टीम ने एक सिगरेट निर्माण कंपनी में छापा मारकर 2,000 बाक्स पैक सिगरेट, एक पैकिंग मशीन, बिना लेबल वाली चांदी की पैकेजिंग सामग्री के 40 रोल, एक हाई पैक मशीन और लगभग 200 बोरे कच्चे फ्लेवर्ड तंबाकू जब्त किए। कंपनी को सील कर दिया गया और 11 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए।

पुलिस ने मशीनों का अगले आदेश तक उपयोग न करने के निर्देश दिए हैं। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि बैन किए गए तंबाकू, गुटखा या इसी तरह के फूड प्रोडक्ट्स की बिक्री, उत्पादन, स्टोरेज या ट्रांसपोर्टेशन की जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800-22-2365 पर साझा करें। वेंडरों को भी बैन प्रोडक्ट्स के संबंध में कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

## चुनाव कार्य पर तैनात 430 कर्मचारियों ने पहले दिन किया पोस्टल मतदान

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका की सार्वभौमिक चुनाव प्रक्रिया में प्रत्येक मतदाता को अपना मतदान अधिकार इस्तेमाल करना चाहिए, इस उद्देश्य से पैंपलेट, पोस्टर, बैनर, ऑडियो, वीडियो, डिजिटल और सोशल मीडिया जैसे विभिन्न माध्यमों के जरिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने और सभी मतदाताओं को मतदान का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया में काम करने वाले सरकारी और अर्ध-सरकारी कर्मचारियों का मतदान अधिकार भी सुरक्षित रहे, इसके लिए महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में आठों निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों में पोस्टल बैलेट (टपाली) सुविधा केंद्र संचालित किए गए हैं। 15 जनवरी को होने वाले नवी मुंबई मनपा चुनाव में तैनात 139 महिला और 291 पुरुष कर्मचारियों, कुल 430 कर्मचारियों ने 10 जनवरी, शनिवार को पहले दिन ही पोस्टल मतदान कर अपना अधिकार निभाया। उप आयुक्त तथा पोस्टल मतदान नोडल अधिकारी स्मिता काळे ने बताया कि मतदान करने के बाद कर्मचारियों ने 'हमने मतदान किया, आप भी मतदान करें' का संदेश सेल्फी के माध्यम से सभी मतदाताओं तक पहुँचाया। चुनाव के दिन मतदान केंद्रों पर तैनात अधिकारी और कर्मचारियों को वोट देने का अवसर उपलब्ध नहीं हो पाता, इसलिए महानगरपालिका ने पोस्टल मतदान प्रक्रिया प्रभावी रूप से लागू की है। इसके लिए आठों विभागों में विशेष पोस्टल मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं।

नवी मुंबई महानगरपालिका के चुनाव कार्य में रायगड़ जिले की स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के कर्मचारियों की तर्ज पर, सिडको और अन्य सरकारी- अर्ध-सरकारी कार्यालयों, निजी स्कूलों और पुलिस विभाग के कर्मचारियों को तैनात किया गया है। जिन कर्मचारियों की नियुक्ति अन्य शहरों में चुनाव कार्य पर हुई है और जो नवी मुंबई के मतदाता हैं, वे भी राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्थापित इन विशेष पोस्टल मतदान केंद्रों का लाभ उठाकर मतदान कर सकते हैं। महानगरपालिका चुनाव विभाग की ओर से सभी तैनात कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे अपने मत का प्रयोग करें और लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

## मनपा चुनाव के बीच AIMIM को झटका

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी मनपा चुनाव के ऐन वक्त पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) को बड़ा झटका लगा है। भिवंडी AIMIM के पूर्व अध्यक्ष शादाब उस्मानी ने पार्टी से इस्तीफा देते हुए महाराष्ट्र AIMIM अध्यक्ष पर हठधर्मी, भ्रष्ट नीतियों और संगठन में भेदभाव का गंभीर आरोप लगाया है। उनके इस्तीफे से पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में हलचल मच गई है। शादाब उस्मानी के इस्तीफे को भिवंडी की सियासत में अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इसका सीधा असर AIMIM के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की संभावनाओं पर पड़ सकता है।

### भिवंडी में पूर्व अध्यक्ष शादाब उस्मानी ने दिया इस्तीफा

### 12 वर्षों की संगठनात्मक भूमिका का हवाला

AIMIM के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को भेजे अपने इस्तीफे में शादाब उस्मानी ने कहा कि वह बीते 12 वर्षों से AIMIM भिवंडी संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने हर जिम्मेदारी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निभाई।

### राज्य नेतृत्व से सहयोग न मिलने का आरोप

पत्र में उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष की ओर से उन्हें कभी अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। इसके विपरीत, उनके खिलाफ ऐसी रणनीतियां अपनाई गईं, जिनका उद्देश्य उन्हें संगठन से दूर करना प्रतीत होता है। उनका कहना है कि राज्य स्तर पर जमीनी और सक्षम नेतृत्व को आगे बढ़ने का अवसर नहीं दिया जा रहा, जिससे संगठन की मजबूती को नुकसान पहुंच रहा है। शादाब उस्मानी ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें शेख इम्तियाज जलील की व्यक्तिगत योग्यता पर कोई संदेह नहीं है, लेकिन उनके अनुभव के अनुसार राज्य अध्यक्ष की कार्यशैली संगठनात्मक प्रमुख के रूप में अपेक्षित संतुलन और दायित्वों को प्रतिबिंबित नहीं करती। पत्र के अंत में उन्होंने कहा कि अत्यंत दुख और दिली पीड़ा के साथ वह AIMIM की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने भिवंडी AIMIM के अध्यक्ष पद पर कार्य करने का अवसर देने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार भी व्यक्त किया।

## मतदाता जागरूकता के लिए ठाणे में निकाली गई साइकिल रैली

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

### 100 से अधिक साइकिल प्रेमियों ने लिया मतदान का संकल्प

आगामी ठाणे महानगरपालिका आम चुनावों को लेकर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से शहर में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ठाणे मनपा और 'आम्ही साइकिल प्रेमी फाउंडेशन' के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को मतदान जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

मनपा आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी सौरभ राव के मार्गदर्शन में स्वीप (SVEEP) कार्यक्रम के अंतर्गत शहर में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

इसी अभियान के तहत निकाली गई इस साइकिल रैली को अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे ने ठाणे मनपा मुख्यालय के सामने से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली शुरू होने से पहले अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे ने साइकिल प्रेमियों और उपस्थित नागरिकों को 15 जनवरी 2026 को होने वाले मतदान को लेकर शपथ दिलाई। सभी प्रतिभागियों ने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने और मतदान अवश्य करने का संकल्प लिया। इस रैली में 100 से अधिक साइकिल प्रेमियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अपनी साइकिलों पर 'मेरा ठाणे, मेरा लोकतंत्र – मेरी उंगलियों पर स्याही लगाकर सुरक्षित रहेगा' और 'आइए लोकतंत्र को मजबूत करें, सुशासन लाएं'जैसे संदेशों वाले प्लेकार्ड लगाकर शहरवासियों को मतदान के प्रति जागरूक किया।

### युवाओं से परिवार को जागरूक करने की अपील

डॉ. संचेती ने युवाओं से अपील की कि वे न केवल स्वयं मतदान करें, बल्कि अपने माता-पिता और रिश्तेदारों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विकास में योगदान देने के लिए वोट करें, आपका वोट आपकी ताकत है और लोकतंत्र को मजबूत करता है। इस साइकिल रैली का नेतृत्व गणेश कोली, दिलीप तालेकर, अमोल कुलकर्णी, सुनील रोकड़े, ज्ञानदेव जाधव, निखिल शिवालकर, चंद्रशेखर जगताप और विट्ठल कांबले ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन प्रज्ञा म्हात्रे ने किया।

### शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी रैली

साइकिल रैली ठाणे मनपा मुख्यालय से शुरू होकर नितिन जंक्शन सर्विस रोड, तीन हात नाका, हरिनिवास सर्कल, नौपाड़ा पुलिस स्टेशन, शाहू मार्केट, गोखले रोड, राम मारुति रोड और अल्मेडा सिग्नल होते हुए पुनः मनपा मुख्यालय के पास समाप्त हुई। रैली के समापन के बाद उपायुक्त एवं स्वीप की नोडल अधिकारी डॉ. मिताली संचेती ने नरेंद्र बल्लाल हॉल में साइकिल प्रेमियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी को मतदान है और सभी नागरिकों को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करना चाहिए। मतदान हमारा अधिकार ही नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है।

## पुलिस और सामाजिक संस्था की पहल से मिला मानसिक रूप से बीमार युवक

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

### एक महीने बाद घर लौटा लापता बेटा, परिवार में लौटी खुशियां

सिंधुदुर्ग जिले में एक महीने से लापता मानसिक रूप से बीमार युवक को पुलिस और एक सामाजिक संस्था की मदद से उसके परिवार से मिला दिया गया। इस मानवीय पहल ने उस परिवार की खुशियां लौटा दीं, जो अपने बेटे के मिलने की उम्मीद लगभग छोड़ चुका था। एजेंसी के अनुसार, युवक की पहचान संतोष सुधाकर जाधव के रूप में हुई है, जो रायगढ़ जिले के माणगांव से 13 दिसंबर को अचानक लापता हो गया था। परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था।

करीब एक महीने बाद संतोष सिंधुदुर्ग जिले के कंकावली के पास एक गांव में बदहवास हालत में भटकता हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने जब उसे देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कंकावली पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अपने संरक्षण में लिया। इसके बाद उसे संविता आश्रम भेजा गया, जो जीवन आनंद संस्था द्वारा संचालित एक पुनर्वास केंद्र है।

### 'उम्मीद छोड़ चुके थे'

पूनम जाधव ने भावुक होते हुए कहा, 'हमने तो उम्मीद ही छोड़ दी थी कि संतोष कभी मिलेगा, लेकिन पुलिस और संविता आश्रम की वजह से आज मेरा भाई हमारे साथ है। मैं उनकी हमेशा आभारी रहूंगी।' संस्था के अनुसार, जुलाई 2025 से अब तक संविता आश्रम ने महाराष्ट्र के अलावा पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तर प्रदेश और ओडिशा से भटके कई लोगों को उनके परिवारों से मिलवाया है।

### आश्रम में मिला इलाज और देखभाल

संस्था के ट्रस्टी किसान चौरे के अनुसार, संतोष को आश्रम में सुरक्षित आवास, भोजन, चिकित्सकीय उपचार और मानसिक देखभाल उपलब्ध कराई गई। वहीं पुलिस ने उसकी पहचान और परिवार का पता लगाने के लिए जांच शुरू की। कंकावली पुलिस और संविता आश्रम की संयुक्त कोशिशों से आखिरकार संतोष के परिवार का पता चल गया। मुंबई से उसकी बहन पूनम जाधव कंकावली पहुंचीं और अपने भाई को अपने साथ घर ले गईं।

## मुख्यमंत्री ने 30 हजार करोड़ के विकास कार्यों का किया ऐलान

डीबीडी संवाददाता । नासिक

### विरोधियों पर किया तीखा हमला

आगामी महानगरपालिका चुनाव के मद्देनज़र मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को गोदावरी तट स्थित देवमामलेदार यशवंत महाराज मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित किया। भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में हुई इस सभा में उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और नासिक के लिए बड़े विकास कार्यों का वादा किया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने ठाकरे भाइयों पर तंज कसते हुए कहा कि हाल ही में नासिक आए दोनों नेता प्रभु श्रीराम का नाम लेना तक भूल गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अब ईश्वर का भी मजाक उड़ाने लगे हैं। फडणवीस ने कहा कि नासिक का वास्तविक और स्थायी विकास केवल भाजपा ही कर सकती है।

### 30 हजार करोड़ का विकास रोडमैप

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि नासिक में कुल 30 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसमें 10 हजार करोड़ का रिंग रोड, नासिक-पुणे रेलवे मार्ग, 4,000 एआई-आधारित सीसीटीवी कैमरे और 2,200 करोड़ रुपए की सीमेंट सड़कों की परियोजना शामिल है। उन्होंने बताया कि अगले 25 वर्षों की जल योजना भी तैयार कर ली गई है। फडणवीस ने कहा कि आगामी सिंहस्थ कुंभमेले के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने 30 हजार करोड़ रुपए का फंड मंजूर किया है, जिससे नासिक के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा। तपोवन वृक्ष कटाई विवाद पर उन्होंने कहा कि बड़े पेड़ नहीं काटे जा रहे, केवल झाड़ियों को हटाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वामपंथी विचारधारा के लोग विकास में बाधा डालने के लिए अफवाह फैला रहे हैं।

## पैनल क्रमांक 13 की विशाल जनरैली से गरमाया चुनावी माहौल, विजय रैली जैसा दिखा नज़ारा

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण पूर्व के पैनल क्रमांक 13 में चुनावी सरगर्मी दिन-ब-दिन तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में रविवार को पैनल क्रमांक 13 के उम्मीदवारों द्वारा एक विशाल जनरैली का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में नागरिकों की सहभागिता देखने को मिली। रैली का स्वरूप पूरी तरह विजय रैली जैसा नजर आया, जिससे पूरे वार्ड में उत्साह, नारेबाजी और जोश का माहौल बन गया।

रैली के दौरान पैनल क्रमांक 13 से चुनाव मैदान में उतरी पूजा संजय गायकवाड़, विक्की तरे, सरोज मनोज राय और महादेव रायभोले को जनता का व्यापक समर्थन मिलता दिखाई दिया। नागरिकों की भारी मौजूदगी और लगातार लग रहे समर्थन के नारों ने यह संकेत दिया कि पैनल क्रमांक 13 में इन उम्मीदवारों की पकड़ वार्ड में मजबूत होती जा रही है।

उम्मीदवारों के प्रचार अभियान को और मजबूती देने के उद्देश्य से आयोजित इस रैली में विधायिका सुलभा गायकवाड़ तथा वरिष्ठ नेता संजय मोरे सहित कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नेताओं की मौजूदगी से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह देखने को मिला, वहीं जनसभा के माध्यम से मतदाताओं से सीधे संवाद भी स्थापित किया गया।

रैली वार्ड के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरी, जहां स्थानीय नागरिकों ने उम्मीदवारों का फूल-मालाओं, विजय तिलक और जोरदार स्वागत कर उत्साहपूर्वक अभिनंदन किया। जगह-जगह लोगों ने रैली में शामिल होकर समर्थन जताया, जिससे माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में रंगा नजर आया।

जनसमर्थन की ये तस्वीरें चुनावी समीकरणों को प्रभावित करती दिखाई दे रही हैं। राजनीतिक गलियारों में इस रैली की चर्चा जोरों पर है और इसे पैनल क्रमांक 13 की शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में आयोजित यह जनरैली अब वार्ड की राजनीति का केंद्र बन गई है। ऐसे में अब सभी की निगाहें मतदान के दिन पर टिकी हुई हैं, जब जनता अपने मताधिकार के माध्यम से अपना अंतिम फैसला सुनाएगी।

▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 306 ▸▸मुंबई, सोमवार , 12 जनवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

यह घोषणापत्र मुंबई के विकास, पारदर्शिता और नागरिकों की सुविधा के लिए है. महायुति का दावा है कि यह संकल्प पत्र मुंबई को न सिर्फ आधुनिक बनाएगा बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी शहरों की श्रेणी में खड़ा करेगा.

देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

### .....मजबूत करने का वादा

घोषणापत्र में मुंबई के विकास के लिए कई बड़े वादे किए गए हैं. इसमें शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है. मुंबईकरों को बड़ी राहत देते हुए महायुति ने वादा किया है कि अगले पांच वर्षों तक पानी के बिल (वाटर टैक्स) में किसी भी प्रकार की बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। हर वार्ड में पर्याप्त दबाव के साथ रोजाना पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने का वादा किया गया है। मुंबई की भविष्य की पानी की जरूरतों और किल्लत को दूर करने के लिए गारगाई, पिंजाल और दमनगंगा जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को अगले 5 वर्षों के भीतर युद्धस्तर पर पूरा करने का संकल्प लिया गया है। बारिश के दौरान जलभराव की समस्या को खत्म करने के लिए ड्रेनेज और सीवरेज सिस्टम को आधुनिक बनाने की योजना है. सड़कें गड्ढामुक्त होंगी और मरम्मत कार्य तेज गति से किया जाएगा.

### स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर महायुति करेगी काम

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर भी घोषणापत्र में जोर दिया गया है. ठोस कचरा प्रबंधन, वैज्ञानिक निपटान और सार्वजनिक स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाएगी. मुंबई के खुले स्थानों और तटीय क्षेत्रों का संरक्षण किया जाएगा. प्रशासन को पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जाएगा और वार्ड स्तर पर विकेंद्रीकृत निर्णय प्रक्रिया लागू की जाएगी.

# महायुति का वचननामा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका चुनाव के बिगुल के बीच, महायुति (भाजपा-शिवसेना-आरपीआई) ने आज अपना बहुप्रतीक्षित चुनावी घोषणापत्र यानी 'वचननामा' जारी कर दिया। शिवसेना-मनसे गठबंधन के घोषणापत्र के बाद से ही महायुति के रोडमैप को लेकर उत्सुकता बनी हुई थी। आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने संयुक्त रूप से इस संकल्प पत्र का अनावरण किया। इस वचननाम में मुंबईकरों के लिए बड़े वादों की बौछार की गई है, जिसमें अगले पांच वर्षों तक पानी कर (Water Tax) में कोई वृद्धि न करने, महिलाओं को बेस्ट बसों में ५०% की छूट और लाडली बहनों को लघु उद्योग के लिए ५ लाख रुपये तक ब्याज मुक्त ऋण देने जैसी प्रमुख घोषणाएं शामिल हैं।

- साफ पानी से लेकर रोहिंग्या मुक्त मुंबई का वादा
- मुंबई को इंटरनेशनल लेवल का शहर बनाने का वादा
- बसों में महिलाओं के लिए 50 फीसदी की छूट, ब्याज मुक्त लोन

### मुंबईकरों को मुंबई से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महायुति का घोषणापत्र जारी हो चुका है। कोई और वादा करे भी तो उनका और हमारा ट्रैक रिकॉर्ड बड़ा होगा। अगले पांच साल बाद हम जनता के सामने रिपोर्ट पेश करेंगे कि हमने क्या किया है। कुछ जगहों पर ऊंचाई की समस्या है। हम इस पर काम कर रहे हैं। क्या रडार सिस्टम को दूसरी जगह लगाया जा सकता है? हम इसके लिए कोशिश कर रहे हैं। हम मुंबईकरों को मुंबई से बाहर नहीं जाने देंगे। कुछ लोग बातें करते रहे, लेकिन हमने कर दिखाया। BDD, अभ्युदय नगर, विशाल सह्याद्री नगर इसके उदाहरण हैं।

### मराठियों को मुंबई छोड़ने नहीं देंगे : मुख्यमंत्री

### सड़कों पर लगेंगे डिजिटल कार्ड

### सार्वजनिक परिवहन पर जोर

सार्वजनिक परिवहन को लेकर भी बड़े ऐलान किए गए हैं। मेट्रो नेटवर्क का विस्तार और बेहतर लास्ट-माइल कनेक्टिविटी पर फोकस रहेगा। स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट के जरिए सड़कों पर भीड़ कम करने की योजना है। BEST बस सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए फ्लीट को बढ़ाया जाएगा। 2029 तक BEST की सभी बसों को इलेक्ट्रिक बनाने का लक्ष्य रखा गया है और फ्लीट को 5,000 से बढ़ाकर 10,000 किया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए बीएमसी अस्पतालों और डिस्पेंसरी को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने का वादा किया गया है। शहरी गरीबों के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जाएंगी। आवास और स्लम पुनर्विकास के क्षेत्र में स्लम रिहैब और किफायती आवास परियोजनाओं को गति देने का संकल्प लिया गया है। झुग्गीवासियों को सम्मानजनक आवास और बुनियादी सुविधाएं देने के साथ-साथ SRA प्रोजेक्ट्स में पारदर्शिता और तेज मंजूरी का वादा किया गया है।

### महिला सशक्तिकरण और आर्थिक सहायता

महिलाओं की सुविधा के लिए बेस्ट बसों के किराए में 50% की भारी छूट दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, 'लाड़ली बहनों' को आत्मनिर्भर बनाने हेतु लघु उद्योग शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

### धारावी में ही 350 sq. ft. तक के घर देंगे

देवेंद्र फडणवीस ने कहा पहले डेवलपर्स 20-20 साल तक लोगों को घर नहीं देते थे। लेकिन अब MHADA रीडेवलपमेंट करेगा। हम डेवलपर को मेंटेनेंस के लिए देंगे। अगर वह काम में कुछ कम या ज़्यादा करते हैं, तो उनके सारे अधिकार MHADA को मिल जाएंगे। DRP धारावी का डेवलपमेंट करेगा। हम धारावी में ही 350 sq. ft. तक के घर देंगे।

### पुनर्विकास में तेजी

शहर के पुराने ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए पुनर्विकास कार्यों को गति दी जाएगी। इसमें 'पगड़ी-मुक्त मुंबई' अभियान और एयरपोर्ट के पास फनेल जोन की समस्याओं को हल करने की योजना को जल्द से जल्द धरातल पर उतारा जाएगा।

### सुरक्षा और घुसपैठ पर नियंत्रण

शहर की आंतरिक सुरक्षा और जनसांख्यिकीय संतुलन को बनाए रखने के लिए महायुति ने मुंबई को रोहिंग्या और अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों से पूरी तरह मुक्त करने का कड़ा रुख अपनाया है।

### पर्यटन विभाग की स्थापना

मुंबई की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को वैश्विक मानचित्र पर लाने तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए नगर निगम में एक समर्पित 'पर्यटन विभाग' की स्थापना की जाएगी।

### मराठी संस्कृति और भाषा का संवर्धन

बालासाहेब ठाकरे की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में मराठी युवाओं के लिए विशेष आर्थिक पैकेज दिए जाएंगे। इसके साथ ही बीएमसी में एक स्वतंत्र 'मराठी भाषा विभाग' और कला प्रेमियों के लिए 'मराठी कला केंद्र' बनाया जाएगा।

### मछली विक्रेताओं और मंडियों का उद्धार

कोली समाज और मछली विक्रेताओं की सुविधा के लिए बीएमसी मार्केट में आधुनिक कोल्ड स्टोरेज और फिश इंपोर्ट-एक्सपोर्ट सेंटर बनाए जाएंगे। साथ ही शहर की सभी पुरानी सब्जी मंडियों का आधुनिकीकरण और पुनर्विकास किया जाएगा।

### Gen Z इंटर्नशिप प्रोग्राम शुरू करने का वादा

युवाओं और तकनीक को लेकर भी कई पहलें शामिल हैं। Gen Z इंटर्नशिप प्रोग्राम शुरू किया जाएगा ताकि युवा नीति निर्माण में सक्रिय भागीदारी कर सकें। स्टार्टअप हब के लिए 100 करोड़ रुपये का फंड बनाया जाएगा। हर वार्ड में 24 घंटे खुले, एसी और वाई-फाई युक्त स्टडी रूम स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा 'मुंबई रत्न' स्कॉलरशिप योजना शुरू होगी, जो विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों को मदद करेगी।

## ब्रीफ न्यूज़

### डोभाल के 'प्रतिशोध' बयान पर महबूबा मुफ्ती की आपत्ति

**जम्मू-कश्मीर।** पीडीपी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एनएसए अजीत डोभाल के 'प्रतिशोध' वाले बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा से जुड़े उच्च पदों पर बैठे लोगों से ऐसी भाषा की उम्मीद नहीं की जाती। महबूबा ने कहा कि 21वीं सदी में बदले की बात करना दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे समाज में नफरत बढ़ सकती है। महबूबा मुफ्ती ने आशंका जताई कि ऐसे बयानों से गरीब और कम पढ़े-लिखे युवा उकसावे में आ सकते हैं, जिसका असर पहले से ही दबाव झेल रहे अल्पसंख्यक समुदाय पर पड़ सकता है।

### KGMU धर्मांतरण केस : रमीज के PFI कनेक्शन सामने आए

**लखनऊ।** किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) से जुड़े कथित धर्मांतरण मामले में आरोपी डॉक्टर रमीज की गिरफ्तारी के बाद जांच में बड़े खुलासे हुए हैं। लखनऊ पुलिस के मुताबिक, रमीज के पास से एक नया मोबाइल फोन बरामद हुआ है, जिसमें कई अहम जानकारियां मिली हैं। वहीं उसका पुराना मोबाइल भी जब्त किया गया है, जिससे डेटा डिलीट किया गया था। अब उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि फरारी के दौरान रमीज का प्रतिबंधित संगठन PFI के पदाधिकारियों से संपर्क बना रहा। मोबाइल डेटा से पता चला है कि उसने PFI से कानूनी मदद लेने की कोशिश की थी।

# दुनिया को 'एंटी-टेरर' का नाटक दिखा रहा पाकिस्तान

## US के साथ शुरू की ड्रिल

एजेंसी । श्रीनगर

पाकिस्तान ने अमेरिका के साथ दो हफ्ते की जॉइंट काउंटर-टेररिज्म एक्सरसाइज शुरू की है। यह अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में कुल 131 आतंकी सक्रिय हैं, जिनमें 122 पाकिस्तानी और 9 स्थानीय आतंकी शामिल हैं।

### जम्मू-कश्मीर में बढ़ते खतरे

डिफेंस सूत्रों के अनुसार सिर्फ जम्मू क्षेत्र में ही करीब 35 पाकिस्तानी आतंकी सक्रिय हैं। पीर पंजाल के दक्षिणी हिस्से में आतंकवाद को फिर से खड़ा करने की लगातार कोशिशें जारी हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान खुद को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार के रूप में पेश कर रहा है।

### संयुक्त ड्रिल का मकसद

पाकिस्तान और अमेरिका का यह संयुक्त अभ्यास 'इंस्पायर्ड गैम्बिट 2026' पंजाब स्थित नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर में हो रहा है। इसका फोकस शहरी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों और दोनों सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाने पर है। यह ड्रिल ऐसे समय में हो रही है जब भारतीय सुरक्षा बल नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ रोकने और आतंकवाद के खिलाफ अभियान तेज कर रहे हैं। इसमें सीमा पार से ड्रोन के जरिए हथियार और विस्फोटक गिराने की कोशिशों के खिलाफ कार्रवाई भी शामिल है।

## गणतंत्र दिवस से पहले सीमा पर ड्रोन हलचल

**जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क**

एजेंसी । जम्मू-कश्मीर

गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (LoC) के पास ड्रोन गतिविधियों में इजाफा देखा जा रहा है। पाकिस्तान की ओर से संदिग्ध हरकतों के मद्देनज़र सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, इंटरनेशनल बॉर्डर और LoC से सटे अलग-अलग इलाकों में कुल पांच ड्रोन देखे गए हैं, जिससे सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं। सूत्रों के मुताबिक ड्रोन देखे जाने की सूचनाएं पुंछ, नौशेरा, धर्मशाल, रामगढ़ और पराख क्षेत्रों से सामने आई हैं। राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन नजर आने के बाद भारतीय सेना ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उस पर फायरिंग की। हालांकि, ड्रोन को मार गिराया गया या नहीं, इसको लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

## देर होने से पहले डील करो : डोनाल्ड ट्रंप

- ट्रंप की क्यूबा को सख्त चेतावनी
- तेल और डॉलर रोकने की धमकी

एजेंसी । वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में अमेरिकी ऑपरेशन के कुछ ही दिनों बाद क्यूबा को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा है कि अगर क्यूबा ने जल्द अमेरिका के साथ समझौता नहीं किया, तो उसे तेल और आर्थिक मदद पूरी तरह से बंद कर दी जाएगी। ट्रंप ने यह बयान अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर दिया।

### ट्रुथ सोशल पर ट्रंप का सख्त संदेश

ट्रंप ने पोस्ट में लिखा, 'अब क्यूबा को अमेरिका से एक बूंद तेल या एक डॉलर भी नहीं मिलेगा। बहुत देर होने से पहले क्यूबा को डील कर लेनी चाहिए।" ट्रंप का कहना है कि क्यूबा लंबे समय से वेनेजुएला से मिलने वाले तेल और पैसों पर निर्भर रहा है।

### वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद बढ़ा तनाव

■ यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने हाल ही में वेनेजुएला में बड़ा ऑपरेशन किया था। इसके बाद क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज कैनेल ने अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना की थी। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करते हुए यह भी लिखा कि मार्को रुबियो क्यूबा के राष्ट्रपति बनेंगे, जिस पर उन्होंने टिप्पणी की, "यह मुझे अच्छा लगता है।" हालांकि ट्रंप प्रशासन की ओर से इसे लेकर कोई आधिकारिक योजना सामने नहीं आई है।

### कार्रवाई का क्यूबा ने किया विरोध

■ शनिवार को हवाना में अमेरिकी दूतावास के सामने हजारों लोगों को संबोधित करते हुए डियाज कैनेल ने अमेरिका पर 'स्टेट टेररिज्म' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने वेनेजुएला जैसे शांत देश पर हमला किया और वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन है। क्यूबा अपनी जरूरत के लगभग 30 प्रतिशत तेल की आपूर्ति वेनेजुएला से करता है। बदले में क्यूबा हजारों डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ वेनेजुएला भेजता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर वेनेजुएला से तेल की सप्लाई रुकी, तो क्यूबा में पहले से मौजूद बिजली संकट और गंभीर हो सकता है।

## ISRO का बड़ा मिशन आज

एजेंसी । श्रीनगर

भारत के अंतरिक्ष इतिहास में 12 जनवरी 2026 का दिन एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) अपने साल 2026 के लॉन्च कैलेंडर की शुरुआत पीएसएलवी-C62 मिशन से करने जा रहा है। इस मिशन के तहत एक अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन सैटेलाइट EOS-N1 को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जिसे 'अन्वेषा' नाम दिया गया है।

### सुबह 10:17 बजे होगा लॉन्च

ISRO के अनुसार, पीएसएलवी-C62 मिशन की लॉन्चिंग 12 जनवरी को सुबह 10:17 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से की जाएगी। यह मिशन भारत की सुरक्षा, निगरानी और रणनीतिक क्षमताओं को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। 'अन्वेषा' को अंतरिक्ष से भारत की निगरानी के लिए "आसमान में एक और आंख" के रूप में देखा जा रहा है। EOS-N1 एक हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग सैटेलाइट है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने विकसित किया है। यह सैटेलाइट लगभग 600 किलोमीटर की ऊंचाई से धरती की बेहद सूक्ष्म तस्वीरें लेने में सक्षम है।

**'अन्वेषा' सैटेलाइट से भारत की निगरानी क्षमता को मिलेगी नई ताकत**

### एक साथ 15 सैटेलाइट होंगे लॉन्च

इस मिशन की खास बात यह है कि EOS-N1 के अलावा कुल 15 सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे। इनमें एक मुख्य भारतीय सैटेलाइट और 14 अन्य छोटे उपग्रह शामिल हैं। इन 14 में से 8 विदेशी सैटेलाइट फ्रांस, नेपाल, ब्राजील और ब्रिटेन के हैं। इसके अलावा, हैदराबाद की निजी कंपनी ध्रुवा स्पेस इस मिशन में पहली बार अपने 7 सैटेलाइट लॉन्च करेगी, जिसे भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मिशन के लिए 25 घंटे की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। ISRO के मुताबिक, लॉन्च के करीब 17 मिनट बाद सभी सैटेलाइट्स को उनकी निर्धारित कक्षाओं में स्थापित किया जाएगा।

संपादकीय

# अजब-गजब गठबंधन और भ्रमित जनता

महाराष्ट्र के निकाय चुनाव इस बार स्थानीय विकास, नागरिक सुविधाओं और जनहित के सवालों से ज़्यादा अजब-गजब राजनीतिक गठबंधनों के कारण सुर्ख़ियों में हैं। जिन दलों ने वर्षों तक एक-दूसरे के विरुद्ध वैचारिक संघर्ष किए, तीखे आरोप लगाए और सड़कों से संसद तक राजनीतिक लड़ाइयाँ लड़ीं, वही आज सत्ता की गणित के लिए एक ही मंच पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस बदले हुए राजनीतिक दृश्य ने सबसे अधिक भ्रम आम मतदाता के मन में पैदा किया है, जो यह समझ नहीं पा रहा कि वह किस विचार, किस नीति और किस दिशा के समर्थन में मतदान करे। नगर निकाय चुनाव मूलतः स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने का माध्यम होते हैं। सड़क, पानी, सफ़ाई, स्वास्थ्य सेवाएँ, शिक्षा और स्थानीय रोज़गार जैसे मुद्दे इन चुनावों का केंद्र होने चाहिए। लेकिन इस बार ये मुद्दे पीछे छूट गए हैं और उनकी जगह राज्य व राष्ट्रीय राजनीति की रणनीतियाँ हावी हो गई हैं। गठबंधन ऐसे बने हैं जिनका वैचारिक आधार कमजोर या लगभग अनुपस्थित दिखता है। कल तक जो दल एक-दूसरे को जनविरोधी या लोकतंत्र के लिए ख़तरा बताते थे, आज वही "परिस्थितियों की मजबूरी" या "विकास के लिए साथ" जैसे तर्कों के साथ एक-दूसरे के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। इस राजनीतिक उलटफेर का सीधा असर जनता पर पड़ा है। मतदाता के सामने सवाल है कि क्या वह पार्टी की विचारधारा देखे, गठबंधन की मजबूरी समझे या केवल जीतने की संभावना को आधार बनाए। जब दल बार-बार अपने पुराने स्टैंड से पलटते हैं, तो जनता का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। लोकतंत्र में मतदाता केवल संख्या नहीं होता, बल्कि वह अपने विवेक से निर्णय लेने वाला नागरिक होता है। लेकिन बार-बार बदलते गठबंधन उसके विवेक को भ्रमित कर देते हैं और मतदान को "कम बुरे विकल्प" की तलाश में बदल देते हैं। सबसे गंभीर चिंता यह है कि इस पूरी प्रक्रिया में विचारों का महत्व लगातार घटता जा रहा है। राजनीति अब सिद्धांतों और दीर्घकालिक नीतियों से नहीं, बल्कि तत्काल सत्ता-लाभ और अंकगणित से संचालित होती नज़र आती है। यह संदेश खासकर युवा मतदाताओं के लिए खतरनाक है, क्योंकि उन्हें यह एहसास होने लगता है कि राजनीति में नैतिकता, वैचारिक प्रतिबद्धता या जनसेवा से ज़्यादा महत्व जोड़-तोड़ और अवसरवाद का है। जब विचार पीछे हटते हैं, तो राजनीति व्यक्तिवादी और अस्थिर हो जाती है। गठबंधन की राजनीति अपने आप में नकारात्मक नहीं है। बहुलतावादी समाज में विभिन्न दलों का साथ आना लोकतंत्र की मजबूती का संकेत भी हो सकता है, बशर्ते उसके पीछे स्पष्ट वैचारिक सहमति और साझा कार्यक्रम हो। लेकिन महाराष्ट्र के निकाय चुनावों में कई गठबंधन ऐसे दिख रहे हैं जो केवल सत्ता-संतुलन और समीकरण साधने के लिए बने हैं। नतीजा यह है कि स्थानीय नेतृत्व भी असमंजस में है और कार्यकर्ता भी यह समझाने में असफल हैं कि उनका गठबंधन आखिर किस उद्देश्य से बना है। इसका प्रभाव चुनाव प्रचार पर भी साफ़ दिखता है। विकास और नागरिक सुविधाओं की ठोस योजनाओं के बजाय प्रचार आरोप-प्रत्यारोप, पुराने बयानों की सफ़ाई और विरोधाभासी तर्कों में उलझा हुआ है। इससे निकाय चुनावों की गंभीरता कम होती है और वे सत्ता-पूर्वाभ्यास मात्र बनकर रह जाते हैं। इस स्थिति में राजनीतिक दलों के लिए आत्ममंथन आवश्यक है। उन्हें तय करना होगा कि वे जनता को स्थिर विचारों और स्पष्ट नीतियों का संदेश देंगे या केवल सत्ता की चालें चलेंगे। वहीं मतदाता के लिए भी यह समय सजग होने का है। वोट गठबंधन की मजबूरी के नाम पर नहीं, बल्कि उम्मीदवार की कार्यक्षमता, ईमानदारी और स्थानीय मुद्दों की समझ के आधार पर दिया जाना चाहिए। महाराष्ट्र के निकाय चुनाव दरअसल लोकतंत्र के लिए एक चेतावनी हैं। यदि राजनीति में विचारों की जगह केवल गणित और तात्कालिक लाभ ले लेंगे, तो जनता का विश्वास और लोकतंत्र की आत्मा दोनों कमजोर पड़ेंगे। अजब-गजब गठबंधनों के इस दौर में जनता का कन्फ्यूजन केवल चुनावी समस्या नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक स्वास्थ्य का संकेत है—और इसे गंभीरता से लेना सभी के हित में है।

## अमेरिका का भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ

# यथार्थ, राजनीति और संभावित प्रभाव

जयराम रॉय
जाम्बिया, (अफ्रीका) में रहते हैं। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार हैं

हाल के दिनों में अमेरिका में भारत सहित कुछ देशों पर अत्यधिक—यहाँ तक कि 500 प्रतिशत तक—टैरिफ लगाने की चर्चाएँ सामने आई हैं। यह विचार सुनने में जितना चौंकाने वाला है, उतना ही जटिल भी। सवाल यह है कि क्या ऐसा टैरिफ वास्तव में संभव है, क्या अमेरिकी राजनीतिक और कानूनी प्रणाली इसे मंजूरी दे पाएगी, और यदि ऐसा होता है तो भारत व अमेरिका—दोनों पर इसके क्या प्रभाव पड़ेंगे? सबसे पहले, 500 प्रतिशत टैरिफ की व्यवहारिकता को समझना ज़रूरी है। सामान्य परिस्थितियों में इतने ऊँचे टैरिफ दुर्लभ होते हैं। अमेरिका का व्यापार ढाँचा विश्व व्यापार संगठन (WTO) के नियमों, द्विपक्षीय समझौतों और घरेलू क़ानूनों से बँधा है। किसी एक देश पर अचानक इतना ऊँचा टैरिफ लगाना न केवल WTO के विवाद निपटान तंत्र को आमंत्रित करेगा, बल्कि अमेरिकी उद्योगों और उपभोक्ताओं के लिए भी झटका होगा। हाँ, राष्ट्रीय सुरक्षा, अनुचित व्यापार प्रथाओं या डंपिंग जैसे आरोपों के आधार पर विशेष श्रेणियों में कड़े शुल्क लगाए जा सकते हैं, पर व्यापक रूप से 500 प्रतिशत टैरिफ लागू करना अत्यंत कठिन और विवादास्पद कदम होगा।

**क्या यह प्रस्ताव पारित हो सकता है?**

अमेरिकी व्यवस्था में टैरिफ नीति केवल राष्ट्रपति के बयान से लागू नहीं हो जाती। इसमें कांग्रेस, वाणिज्य विभाग, यूएस ट्रेड रिप्रेज़ेंटेटिव और कई कानूनी प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं। उद्योग समूहों, उपभोक्ता संगठनों और राज्यों के हित भी यहाँ निर्णायक भूमिका निभाते हैं। भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है चाहे इंडो-पैसिफिक रणनीति हो, रक्षा सहयोग हो या टेक्नोलॉजी और सेवाओं का व्यापार। ऐसे में भारत को निशाना बनाकर अत्यधिक टैरिफ पारित कराना राजनीतिक रूप से आसान नहीं होगा। घरेलू चुनावी राजनीति में सख़्त बयानबाज़ी संभव है, लेकिन नीति के स्तर पर उसे लागू कराना अलग चुनौती है।

**यदि मान लें कि ऐसा टैरिफ लागू हो जाता है, तो भारत पर असर क्या होगा?**

भारत के निर्यात पर तात्कालिक दबाव पड़ेगा, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ अमेरिका बड़ा बाज़ार है—जैसे स्टील, केमिकल्स, टेक्सटाइल्स, जेम्स एंड ज्वेलरी, और कुछ इंजीनियरिंग उत्पाद। कीमतें बढ़ने से भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाज़ार में प्रतिस्पर्धा खो सकते हैं। अल्पकाल में निर्यातकों को नुकसान, ऑर्डर घटने और रोजगार पर दबाव दिख सकता है। हालाँकि, भारत की अर्थव्यवस्था आज पहले से कहीं अधिक विविधीकृत है। यूरोप, एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में नए बाज़ार, घरेलू मांग की मजबूती और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों से भारत दीर्घकाल में झटके को सम्हाल सकता है। इसके अलावा, भारत प्रतिशोधी टैरिफ, WTO में कानूनी चुनौती और कूटनीतिक बातचीत जैसे विकल्प भी अपनाएगा।

**अमेरिका के लिए चुनौतियाँ क्या होंगी?**

अक्सर टैरिफ को 'दूसरे देश पर दबाव' के रूप में देखा जाता है, पर उसका बोझ अंततः घरेलू उपभोक्ताओं और उद्योगों पर पड़ता है। भारत से आने वाले कच्चे माल, दवाइयों, आईटी सेवाओं और मध्यवर्ती उत्पादों पर भारी टैरिफ से अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ेगी। इसका असर महंगाई, सप्लाई चेन में बाधा और प्रतिस्पर्धात्मकता में कमी के रूप में सामने आ सकता है। इसके अलावा, भारत जवाबी कदम उठा सकता है, जिससे अमेरिकी निर्यात—कृषि उत्पाद, विमानन, ऊर्जा या टेक्नोलॉजी—प्रभावित होंगे। रणनीतिक दृष्टि से भी यह कदम अमेरिका-भारत साझेदारी को कमजोर करेगा, जिसका लाभ चीन जैसे प्रतिस्पर्धी उठा सकते हैं।

**भूराजनीतिक और कूटनीतिक आयाम**

आज की वैश्विक राजनीति में व्यापार केवल आर्थिक विषय नहीं, बल्कि रणनीतिक हथियार भी है। अमेरिका और भारत दोनों चीन की आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता कम करने की बात करते हैं। ऐसे में एक-दूसरे पर अत्यधिक टैरिफ लगाना साझा रणनीतिक हितों के विपरीत जाएगा। क्वाड, रक्षा सौदे, सेमीकंडक्टर और उभरती तकनीकों में सहयोग-इन सब पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

**निष्कर्ष :** 500 प्रतिशत टैरिफ की चर्चा अधिकतर राजनीतिक दबाव बनाने या घरेलू संदेश देने का माध्यम प्रतीत होती है, न कि तुरंत लागू होने वाली यथार्थ नीति। इसे पारित कराना कानूनी, आर्थिक और कूटनीतिक रूप से बेहद कठिन है। यदि ऐसा कदम उठाया भी जाता है, तो उसका नुकसान एकतरफ़ा नहीं होगा—भारत और अमेरिका दोनों को कीमत चुकानी पड़ेगी। संपादकीय दृष्टि से यह स्पष्ट है कि टैरिफ युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं। संवाद, संतुलित व्यापार सुधार और बहुपक्षीय नियमों के भीतर समाधान ही दोनों लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्थाओं के हित में हैं। कठोर बयान क्षणिक राजनीतिक लाभ दे सकते हैं, पर दीर्घकालिक समृद्धि सहयोग और विवेकपूर्ण नीति से ही आएगी।

जीवन मंत्र

सत्य केवल एक नैतिक सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन को ऊर्जा देने वाली वह मूल शक्ति है, जो मनुष्य के विचार, व्यवहार और आत्मा—तीनों को उज्ज्वल बनाती है। यह वह आधार है जिस पर व्यक्ति का चरित्र, समाज की संरचना और सभ्यता की दिशा टिकी होती है।

# सत्य की सुंदरता और जीवन की वास्तविक शक्ति

संसार की हर भौतिक सुंदरता क्षणिक है—रूप, वैभव और यश समय के साथ फीके पड़ जाते हैं—परंतु सत्य की सुंदरता शाश्वत होती है। यह न उम्र से बंधी होती है, न परिस्थितियों से। सत्य मनुष्य के भीतर से जन्म लेता है और उसी के भीतर स्थायी ऊर्जा का संचार करता है। जब मनुष्य सत्य के मार्ग पर चलता है, तब उसके भीतर आत्मविश्वास, साहस और मानसिक संतुलन स्वतः विकसित हो जाते हैं। सत्य जीवन को सरल बनाता है, क्योंकि इसमें किसी प्रकार के भय या छल की आवश्यकता नहीं होती। इसके विपरीत असत्य अनेक परतों और जटिलताओं का निर्माण करता है—एक झूठ को छिपाने के लिए सौ और झूठ बोलने पड़ते हैं। इससे मनुष्य का मन सदैव भय, तनाव और अपराधबोध से घिरा रहता है। जबकि सत्य निर्भयता और स्पष्टता देता है। सत्य बोलने वाला व्यक्ति भीतर से हल्का रहता है, क्योंकि उसे किसी दिखावे या बनावट का सहारा नहीं लेना पड़ता। यही मानसिक शांति जीवन की सबसे बड़ी ऊर्जा है, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की शक्ति देती है। सत्य का प्रभाव केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका व्यापक सामाजिक महत्व भी है। इतिहास इस बात

का साक्षी है कि सत्य के सहारे ही महापुरुषों ने समाज को नई दिशा दी है। महात्मा गांधी का सत्याग्रह केवल एक आंदोलन नहीं था, बल्कि सत्य की नैतिक शक्ति का जीवंत उदाहरण था। बिना हिंसा के, केवल सत्य और आत्मबल के माध्यम से उन्होंने एक साम्राज्य को चुनौती दी। इसी प्रकार भगवान बुद्ध का मध्यम मार्ग सत्य की खोज का ही परिणाम था, जिसने मानवता को दुख, अहंकार और अज्ञान से मुक्ति का रास्ता दिखाया। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि सत्य केवल आदर्श नहीं, बल्कि परिवर्तन की सबसे प्रभावी शक्ति है। सत्य न केवल व्यक्ति के चरित्र को मजबूत करता है, बल्कि समाज में विश्वास और सद्भाव का आधार भी बनता है। जहाँ सत्य होता है, वहाँ संबंधों में मजबूती होती है और निर्णयों में निष्पक्षता दिखाई देती है। परिवार, कार्यस्थल और शासन—हर स्तर पर सत्य ही स्थायित्व लाता है। यदि समाज से सत्य का लोप हो जाए, तो अविश्वास, भ्रष्टाचार और विघटन का जन्म होता है। आज के भौतिक और प्रतिस्पर्धी युग में सत्य का पालन कठिन अवश्य लग सकता है, क्योंकि त्वरित सफलता के लिए लोग शॉर्टकट अपनाने लगते हैं।

शख्सियत | स्वामी विवेकानंद

## प्रेरणा, साहस और आत्मविश्वास का उज्ज्वल प्रतीक

**आप जो सोचते हैं, वही बन जाते हैं। यदि आप स्वयं को कमजोर समझते हैं, तो कमजोर बन जाते हैं; और यदि स्वयं को शक्तिशाली मानते हैं, तो शक्तिशाली बन जाते हैं।**

स्वामी विवेकानंद भारत के महान संत, विचारक और युवाओं के प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन साहस, संघर्ष, आत्मविश्वास और मानव सेवा की अद्भुत कहानी है। उनका जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) में हुआ था। उनके बचपन का नाम नरेन्द्रनाथ दत्त था। उनके पिता विश्वनाथ दत्त एक विद्वान वकील थे और माता भुवनेश्वरी देवी धार्मिक व संस्कारी महिला थीं। नरेन्द्रनाथ बचपन से ही असाधारण प्रतिभा के धनी थे। वे तेज बुद्धि, साहसी स्वभाव और प्रश्न पूछने की आदत के लिए जाने जाते थे। वे ईश्वर के अस्तित्व को लेकर गहरे प्रश्न करते थे और सच्चे गुरु की तलाश में थे। यही खोज उन्हें रामकृष्ण परमहंस तक ले गई, जिनके सान्निध्य ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। रामकृष्ण परमहंस ने नरेन्द्रनाथ को आत्मज्ञान और मानव सेवा का मार्ग दिखाया। गुरु के निधन के बाद नरेन्द्रनाथ ने संन्यास ग्रहण किया और उनका नाम पड़ा — स्वामी विवेकानंद। इसके बाद उन्होंने पूरे भारत का भ्रमण किया। इस यात्रा में उन्होंने देश की गरीबी, अज्ञानता और सामाजिक कुरीतियों को बहुत करीब से देखा। यही अनुभव उनके जीवन का सबसे रोमांचक मोड़ था, जिसने उन्हें भारत के जागरण का संकल्प दिलाया। स्वामी विवेकानंद की सबसे ऐतिहासिक और रोमांचक घटना 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म महासभा में उनका भाषण था। जैसे ही उन्होंने "मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों" कहकर संबोधन किया, पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। उनके ओजस्वी शब्दों ने भारत की आध्यात्मिक शक्ति को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत कर दिया। वे उस सभा के सबसे लोकप्रिय वक्ता बने और भारत को विश्व मंच पर गौरव दिलाया। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया — "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।" वे मानते थे कि युवा ही राष्ट्र की असली शक्ति हैं। उन्होंने आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और सेवा को जीवन का मूल मंत्र बताया। स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य मानव सेवा, शिक्षा और आध्यात्मिक विकास था। उन्होंने धर्म को केवल पूजा तक सीमित न रखकर उसे मानव सेवा से जोड़ा। अत्यधिक परिश्रम और तपस्या के कारण उनका स्वास्थ्य कमजोर होता गया। अंततः 4 जुलाई 1902 को मात्र 39 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। हालांकि उनका शरीर नश्वर था, लेकिन उनके विचार आज भी अमर हैं।

जीवन ऊर्जा

सर सी. पी. रामस्वामी अय्यर (1879-1966) एक प्रखर राजनीतिज्ञ, कानूनविद् और कुशल प्रशासक थे। उनका जन्म 12 जनवरी 1879 को मद्रास में हुआ था। उन्होंने अपनी मेधावी बुद्धि से कानूनी क्षेत्र में अपार ख्याति अर्जित की और बाद में त्रावणकोर रियासत के दीवान बने। उनके कार्यकाल में त्रावणकोर ने शिक्षा, जलविद्युत और उद्योग के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की।

सर सी. पी. रामस्वामी अय्यर : जन्म 12 जनवरी 1879 | जन्म

## जिसने निचली जातियों के लिए मंदिर के दरवाजे खोले

1936 में ऐतिहासिक 'मंदिर प्रवेश उद्घोषणा' लागू करवाई, जिसने निचली जातियों के लिए मंदिरों के द्वार खोले। वह भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रबल समर्थक थे। 26 सितंबर 1966 को लंदन में उनका निधन हुआ। एक स्कूल ने अपना उद्देश्य तब सबसे बेहतर तरीके से पूरा किया है, जब वह किताबी ज्ञान के साथ-साथ जीवन की उन बारीकियों को भी सिखाए, जिनके बिना मनुष्य एक सामाजिक प्राणी के रूप में असफल माना जाएगा। शिक्षा केवल उपाधियां प्राप्त करने या धन संचय करने के लिए नहीं है; यदि किसी के पास आत्म-सम्मान और वैज्ञानिक ज्ञान नहीं है, तो इनका कोई उपयोग नहीं है। स्कूल को एक ऐसा केंद्र होना चाहिए जहां से अविश्वास या गुटबाजी नहीं, बल्कि एकता और सद्भाव की भावना का प्रसार हो। संस्कृति का अर्थ है जीवन के अर्थ के प्रति जागरूकता, दुनिया की समस्याओं को उनके सापेक्ष महत्व के क्रम में समझना और उन चीजों का चयन करना जो वास्तव में सार्थक हैं। स्वामी विवेकानंद एक 'लोकतांत्रिक संत' थे, जिन्होंने हमें राष्ट्रवाद के विचार को पुनर्जीवित करने में मदद की। मैं 'कर्म' और 'पुनर्जन्म' के सिद्धांतों में अपनी पूरी शक्ति के साथ विश्वास करता हूं; मेरे लिए दुनिया की असमानताओं और बुराइयों का यही एकमात्र संभव स्पष्टीकरण है। विवेकानंद ने हमें सिखाया कि जब तक भारत आध्यात्मिक और बौद्धिक रूप से एक नहीं होता, वह बाहरी दुनिया में अपना प्रभाव नहीं बना सकता। यदि धर्म मनुष्य को मनुष्य का सम्मान करना सिखाता है, तो किसी को इस पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। प्रभावी योजना तभी संभव है जब विघटनकारी

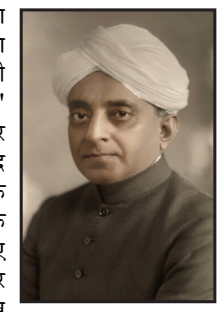

ताकतों पर सख्त नियंत्रण हो। कर्तव्य के प्रति अडिग निष्ठा ही जीवन का सार है; प्रतिबद्धता पवित्र होनी चाहिए। न्याय ही मेरा एकमात्र औचित्य है। मंदिर प्रवेश उद्घोषणा केवल दलितों के लिए नहीं, बल्कि पूरे हिंदू समाज के शुद्धिकरण का एक कदम है। भारत को एक संपूर्ण इकाई के रूप में सोचना चाहिए, चाहे वर्ग, पंथ, रंग और रीति-रिवाजों में कितने भी अंतर क्यों न हों। साम्यवाद का खतरा उनकी विचारधारा में नहीं, बल्कि संघर्ष को राजनीतिक अस्तित्व के एक अनिवार्य तत्व के रूप में देखने के उनके सिद्धांत में है। जब तक ग्रामीण लोग अंधविश्वास और जातिवाद से छुटकारा नहीं पा लेते, तब तक देश की आजादी अधूरी है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

# जब पांडित्य हार गया और प्रेम जीत गया

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

वृंदावन की कुंज गलियों में एक दोपहर जब सूर्य अपनी पूरी तपिश पर था, भगवान श्री कृष्ण और बलराम अपने सखाओं के साथ गायें चरा रहे थे। खेलते-कूदते ग्वाल-बालों को तीव्र भूख लगी। उन्होंने कान्हा से कहा, रुहे सखा! भूख के मारे हमारे प्राण निकले जा रहे हैं, कुछ प्रबंध करो।ह श्री कृष्ण ने मुस्कुराते हुए पास ही एक स्थान की ओर संकेत किया और बोले, रुमित्रों! पास ही कुछ श्रेष्ठ ब्राह्मण 'अंगिरस' नामक महान यज्ञ कर रहे हैं। तुम वहां जाओ और मेरा व दाऊ भैया का नाम लेकर उनसे कुछ भोजन मांग लाओ।

**अहंकार की दीवार और अनसुनी पुकार**

ग्वाल-बाल दौड़ते हुए यज्ञशाला पहुंचे और बड़ी विनम्रता से हाथ जोड़कर प्रार्थना की, रहे भूसुर! स्वयं साक्षात भगवान श्री कृष्ण और बलराम भूख से व्याकुल हैं, वे पास ही खड़े हैं। कृपा कर इस यज्ञ के अन्न से उन्हें तृप्त करें। परंतु उन ब्राह्मणों का ज्ञान उनके अहंकार का कारण बन गया था। वे स्वर्ग के सुखों की प्राप्ति और विधि-विधान के कर्मकांड में इतने खो चुके थे कि उन्होंने उन बालकों की बात को अनसुना कर दिया। उन्हें लगा कि बिना दीक्षा लिए इन बालकों को या कृष्ण को अन्न देना शास्त्र विरुद्ध है। वे यह भूल गए कि जिस 'यज्ञ पुरुष' की वे आहुति दे रहे हैं, वह स्वयं कुछ ही दूरी पर खड़ा अन्न मांग रहा है। ग्वाल-बाल खाली हाथ लौट आए।

**प्रेम का आमंत्रण: ब्राह्मण पत्नियों की व्याकुलता**

प्रभु तो अंतर्यामी हैं, उन्होंने सखाओं से कहा, रनिराश मत हो, अब तुम उनकी पत्नियों के पास जाओ। वे मुझसे अगाध प्रेम करती हैं। जैसे ही ग्वाल-बालों ने ब्राह्मणों की पत्नियों को बताया कि उनके प्रिय 'श्याम' भूखे हैं, तो मानो उनके जीवन का सबसे बड़ा उत्सव आ गया। उन्होंने न समाज की चिंता की, न लोक-लाज की। वे बड़े-बड़े थालों में दही-भात और छप्पन भोग सजाकर वन की ओर दौड़ पड़ीं। उनके पतियों और भाइयों ने उन्हें रोका, यहां तक कि संबंध विच्छेद की धमकी भी दी, पर जिसके मन में गोविंद बस जाएं, उसे संसार का भय कहां?

**साक्षात दर्शन और समर्पण**

पेड़ की शीतल छांव में जब उन्होंने कृष्ण और बलराम की युगल छवि

का दर्शन किया, तो समय मानो ठहर गया। मयूर मुकुट, पीतांबर और अधरों पर वही चिर-परिचित मुस्कान! ब्राह्मण पत्नियां हाथ में थाल लिए जड़वत खड़ी रह गईं। उनके मुख से बस यही निकला—प्रभु! आप कितने सुंदर हैं। उनकी जन्म-जन्मांतर की तपस्या सफल हो गई।

प्रभु ने उनका सत्कार किया और कहा, हे देवी! आपकी भक्ति धन्य है। आपने मेरा मान रखा, अब आप घर लौट जाइए, आपके पति आपके बिना यज्ञ पूरा नहीं कर पाएंगे।

यज्ञपत्नियां रोने लगीं, रप्रभु! जो एक बार आपके चरणों में आ गया, उसे पुनः संसार के दुखों में मत भेजिए।ह तब कृष्ण ने एक महान सत्य कहा— जो मेरा हो जाता है, संसार उसे त्याग नहीं सकता। आप निर्भय होकर जाएं, आपके साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं होगा।

**ब्राह्मणों का पश्चाताप और बोध**

जब वे स्त्रियां घर पहुंचीं, तो प्रभु की लीला से ब्राह्मणों का क्रोध शांत हो चुका था। जब उन्हें सत्य का बोध हुआ, तो वे फूट-फूटकर रोने लगे। वे स्वयं को कोसने लगे धिक्कार है हमारे इस पांडित्य को! धिक्कार है इस यज्ञ और कुल को! हम शास्त्रों को रटते रहे, पर साक्षात भगवान को नहीं पहचान सके।

अपने विचार

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेज गति से आगे बढ़ रहा है और जो आंकड़ें आ रहे हैं, उससे ये साफ है कि भारत से दुनिया की उम्मीदें लगातार बढ़ रही हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

-नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

2004-2014 में यूपीए सरकार ने केरल को 72,000 करोड़ रुपये दिए, जबकि 2014-2024 में एनडीए सरकार ने 3,23,000 करोड़ रुपये दिए। पिनाराई विजयन गलत तरीके से यह प्रचार कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी केरल के खिलाफ हैं, जबकि वास्तव में उनके शासन में ही राज्य के साथ अन्याय हुआ।

-अमित शाह
केंद्रीय गृह मंत्री

'संगठन (RSS) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि यह असल में बदल नहीं रहा है बस धीरे-धीरे सामने आ रहा है।'

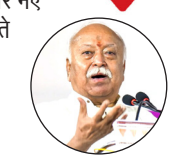

-मोहन भागवत
आरएसएस प्रमुख

कई मुसलमान युवा वर्षों से बिना मुकदमे के जेल में पड़े हैं। उन्होंने कहा कि जमानत न देने से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होता है, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है।

-असदुद्दीन ओवैसी
एआईएमआईएम अध्यक्ष

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

# भाजपा में गुंडे, माफिया और अब यौन अपराधों के आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण : सपकाल

**पनवेल/मुंबई।** महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि भाजपा अब खुद को 'पार्टी विद डिफरेंस' कहने का नैतिक अधिकार खो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में गुंडे, माफिया और अब यौन अपराधों के आरोपी तक को राजनीतिक संरक्षण दिया जा रहा है। रविवार को पनवेल में चुनाव प्रचार के दौरान आयोजित पत्रकार परिषद में सपकाल ने कहा कि बदलापुर में छोटी बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न के मामले के आरोपी को भाजपा ने मनोनीत नगरसेवक बनाकर पार्टी की मानसिकता उजागर कर दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा का 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' नारा केवल दिखावा है, हकीकत में देश की बेटियों को भाजपा से बचाने की जरूरत है।

## पुराने मामलों का किया जिक्र

सपकाल ने कहा कि उन्नाव बलात्कार कांड में भाजपा विधायक का नाम सामने आया था। उत्तराखंड के अंकिता भंडारी प्रकरण में भी भाजपा से जुड़े नेताओं पर गंभीर आरोप लगे। इसके अलावा महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले में भाजपा सांसद का नाम सामने आना पार्टी की कथनी और करनी के अंतर को दर्शाता है।

## सत्ता के लिए बेशर्म गठबंधन का आरोप

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना सत्ता के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। अंबरनाथ में कांग्रेस के 12 नगरसेवकों द्वारा भाजपा को समर्थन देने पर कांग्रेस ने तुरंत कार्रवाई की, लेकिन भाजपा ने उन्हें अपने दल में शामिल कर लिया। सपकाल ने यह भी कहा कि अकोट में भाजपा और शिंदे गुट ने ओवैसी की AIMIM से गठबंधन किया, जबकि प्रचार के दौरान धार्मिक ध्रुवीकरण करने वाले नारे लगाए जाते हैं।

## फडणवीस को दी चुनौती

सपकाल ने कहा कि आचार संहिता समाप्त होते ही अगले ही दिन हवाई अड्डे को दि. बा. पाटील का नाम देने का निर्णय घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि 12 जनवरी को पनवेल में प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को इस संबंध में स्पष्ट घोषणा करनी चाहिए। इस अवसर पर शेकाप नेता एवं पूर्व विधायक जयंत पाटील, वरिष्ठ कांग्रेस नेता आर. सी. घरत, पूर्व विधायक बालाराम पाटील, प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं पनवेल प्रभारी जिशान अहमद, पनवेल जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुदाम पाटील, श्रुति म्हात्रे सहित महाविकास आघाड़ी के कई नेता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

## दि. बा. पाटील के नाम पर हवाई अड्डे की मांग

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण को लेकर सपकाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार वरिष्ठ नेता दि. बा. पाटील के नाम पर हवाई अड्डे का नाम रखने की मांग करती रही है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहले यह घोषणा की थी कि पहली उड़ान के साथ 'दि. बा. पाटील अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा' नाम घोषित होगा, लेकिन अब तक इस पर निर्णय नहीं लिया गया।

## 'एक ही सिक्के के दो पहलू'

सपकाल ने तंज कसते हुए कहा कि "हैदराबाद का दाढ़ीवाला और ठाणे का दाढ़ीवाला एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।" उन्होंने दावा किया कि जनता भाजपा की इस दोहरी राजनीति को समझ चुकी है।

# कांग्रेस ने फडणवीस से मांगे महाराष्ट्र में बांग्लादेशी-रोहिंग्या के सटीक आंकड़े

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से राज्य में बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या प्रवासियों से जुड़े सटीक आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की है। यह मांग मुख्यमंत्री के उस बयान के बाद की गई है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि महाराष्ट्र में अवैध प्रवासियों की सबसे अधिक संख्या की पहचान कर ली गई है। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सचिन सावंत ने कहा कि यदि सरकार ने सचमुच रोहिंग्या और बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान की है, तो इसके स्पष्ट और प्रमाणिक आंकड़े जनता के सामने लाने चाहिए।

## महायुति घोषणापत्र और एआई टूल

मुंबई महानगरपालिका चुनाव के दौरान फडणवीस ने सत्तारूढ़ महायुति का घोषणापत्र पेश करते हुए कहा था कि "हम मुंबई को बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं से मुक्त करेंगे। इसके लिए आईआईटी की मदद से एक एआई टूल विकसित किया जाएगा।" सावंत ने मुख्यमंत्री पर हमला करते हुए उन्हें "सपनों का सौदागर" करार दिया और कहा कि वे वर्तमान की कड़वी वास्तविकताओं को नजरअंदाज कर भविष्य के सुनहरे सपने दिखाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के अधिकांश बयान और साक्षात्कार भविष्य की योजनाओं पर केंद्रित रहते हैं, जबकि अतीत में किए गए वादों का पालन नहीं किया जाता।

## 'तारीख पर तारीख' का आरोप

सावंत ने कहा कि ईस्टर्न फ्रीवे को 2017 में ठाणे से जोड़ने और मुंबई को उसी वर्ष बाढ़-मुक्त घोषित करने का वादा अब तक पूरा नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 से सरकार महाराष्ट्र को 1,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कई समयसीमाएं घोषित कर चुकी है, लेकिन राज्य अभी भी इस लक्ष्य से काफी दूर है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### भुसावल मंडल रेल प्रबंधक ने यात्रियों की बेहतर सेवा के लिए स्टेशन और कोचों का निरीक्षण किया

**भुसावल।** दिनांक 09.01.2026 को मध्य रेल, भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पुनित अग्रवाल ने अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) सुनील कुमार सुमन और वरिष्ठ शाखा अधिकारियों के साथ भुसावल स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था और कार्यालयीन कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। मंडल रेल प्रबंधक ने यात्रियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने, स्वच्छ और स्वास्थ्यकर वातावरण बनाए रखने तथा कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर स्टेशन स्थित कैटरिंग स्टॉलों की गुणवत्ता और स्वच्छता का भी निरीक्षण किया गया। इसके अलावा गाड़ी संख्या 11040 का निरीक्षण कर कोचों में स्वच्छता और सैनिटेशन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान स्टेशन प्रबंधक, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक और अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित थे।

### गठबंधनों में दरार से ठाणे का मतदाता भ्रमित

**ठाणे।** आगामी ठाणे महानगरपालिका चुनाव की पृष्ठभूमि में ठाणे ईस्ट के कोपरी संभाग का राजनीतिक माहौल भले ही गरमाया हुआ है, लेकिन स्थानीय मतदाता असमंजस की स्थिति में हैं। 'मुझे किसे वोट देना चाहिए?' यह सवाल अब ठाणेकरों की जुबान पर आम हो गया है।

वरिष्ठ पत्रकार और पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत के अनुसार, भले ही कागजों पर राजनीतिक गठबंधनों की तस्वीर स्पष्ट दिखाई देती हो, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग है। उन्होंने कहा कि प्रत्याशी पार्टी के बजाय अपने दम पर चुनाव लड़ते नजर आ रहे हैं। व्यक्तिगत प्रचार, गुप्त कैंपेनिंग और वोट मैनेजमेंट की रणनीतियों ने मतदाताओं का भ्रम और बढ़ा दिया है। कोपरी डिवीज़न में वर्षों से खराब सड़कों, अनियमित जलापूर्ति, बढ़ते ट्रैफिक जाम, रुके हुए पुनर्विकास प्रोजेक्ट्स और बुनियादी नागरिक सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दे बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन मतदान के बाद इन समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया जाता है। दिलचस्प स्थिति यह है कि मतदाता एक ही गठबंधन के उम्मीदवारों को परोक्ष रूप से एक-दूसरे के खिलाफ प्रचार करते हुए देख रहे हैं। इससे यह सवाल भी उठ रहा है कि मतदाता पार्टी को प्राथमिकता दें या उम्मीदवार को?

## 'महाराष्ट्र और मराठी हमारी पहली पहचान', ठाकरे भाइयों की एकजुट रैली में BJP पर तीखा हमला

**मुंबई।** बीएमसी चुनाव से पहले महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। शिवाजी पार्क में रविवार को हुई ठाकरे भाइयों की संयुक्त रैली ने सियासी तापमान और बढ़ा दिया। करीब 20 साल बाद मनसे प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे एक ही मंच पर नजर आए। दोनों नेताओं ने जनसभा को संबोधित करते हुए बीजेपी और राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। राज ठाकरे ने भावुक अंदाज में अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि शिवसेना की स्थापना के समय उनके दादा, पिता और मां इसी शिवाजी

पार्क के मंच पर मौजूद थे। आज दो भाई फिर साथ आए हैं और उन्हें विश्वास है कि बालासाहेब ठाकरे का आशीर्वाद उनके साथ है। उन्होंने कहा कि यह एकजुटता सत्ता के लिए नहीं, बल्कि महाराष्ट्र और मराठी अस्मिता की रक्षा के लिए है।

## 'महाराष्ट्र पहले, मराठी पहले'

मनसे प्रमुख ने स्पष्ट किया कि 20 साल बाद वे किसी पार्टी के साथ गठबंधन कर रहे हैं और यह गठबंधन विचारधारा के आधार पर है। राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार महाराष्ट्र पर हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, "हमारी नजर में महाराष्ट्र पहले है और मराठी पहले। इसी विचार के चलते हम साथ आए हैं।"
राज ठाकरे ने सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि मुंबई एयरपोर्ट के कार्गो को पालघर में बन रहे वाधवान पोर्ट के पास शिफ्ट किया जा रहा है। वहीं, छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट की डोमेस्टिक और इंटरनेशनल उड़ानों को नवी मुंबई ले जाने की तैयारी है। उन्होंने दावा किया कि भविष्य में मुंबई एयरपोर्ट बंद कर उसकी जमीन पर सरकार कब्जा कर लेगी।

# महाराष्ट्र में दो प्रमुख विद्युत पारेषण परियोजनाओं का RECPDCL द्वारा सफल हस्तांतरण

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

REC पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (RECPDCL) ने महाराष्ट्र में दो महत्वपूर्ण राज्यांतर्गत विद्युत पारेषण परियोजनाओं के लिए गठित विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) का सफलतापूर्वक हस्तांतरण 9 जनवरी 2026 को टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (TBCB) प्रक्रिया के तहत किया। RECPDCL, REC लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और ऊर्जा मंत्रालय के अधीन 'महारत्न' केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम के रूप में कार्य करती है। पहली परियोजना वेलगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड का SPV सीगैल इंडिया लिमिटेड को सौंपा गया। यह 'बिल्ड, ओन, ऑपरेट एंड ट्रांसफर' (BOOT) मॉडल पर विकसित होगी। RECPDCL के वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं प्रमुख (ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन) विजय कुलकर्णी ने SPV डॉ. सुधीर राव होशिंग को सौंपा। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य पारेषण उपयोगिता (STU) के मुख्य अभियंता पीयूष शर्मा और डॉ. होशिंग के बीच ट्रांसमिशन सर्विस एग्रीमेंट (TSA) पर हस्ताक्षर किए गए। परियोजना की कार्यान्वयन अवधि 24 माह है।

इस परियोजना में 400/220 केवी गैस इंसुलेटेड सब-स्टेशन (GIS) की स्थापना, 400 और 220 केवी डबल और सिंगल सर्किट लाइनों का लाइन-इन-लाइन-आउट (LILO) सहित संबंधित कार्य शामिल हैं। यह महाराष्ट्र की पारेषण विस्तार योजना के तहत इस चरण को प्राप्त करने वाली पहली परियोजना है।

## जेजुरी–हिंजवडी पारेषण परियोजना

इसी दिन दूसरी परियोजना जेजुरी–हिंजवडी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड का SPV टाटा पावर कंपनी लिमिटेड को हस्तांतरित किया गया। SPV का हस्तांतरण विजय कुलकर्णी द्वारा टाटा पावर के बिजनेस डेवलपमेंट प्रमुख पियूष कुमार को किया गया। इस परियोजना की कार्यान्वयन अवधि भी 24 माह तय की गई है। इसमें जेजुरी से हिंजवडी तक लगभग 115 किलोमीटर लंबी 400 केवी डबल सर्किट लाइन बनाई जाएगी, जो पुणे–हिंजवडी क्षेत्र के डेटा सेंटर्स को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति देने के साथ पुणे रिंग मेन नेटवर्क की स्थिरता को भी मजबूत करेगी।

## ऊर्जा अवसंरचना को मजबूती

महाराष्ट्र राज्य पारेषण उपयोगिता, राज्य सरकार के मार्गदर्शन और महापारेषण के अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार, आईएएस के नेतृत्व में ऊर्जा संक्रमण रोडमैप के अनुरूप पारेषण विस्तार कार्यक्रम लागू कर रही है। इसका उद्देश्य वितरण कंपनियों की आवश्यकता अनुसार पारेषण क्षमता सुनिश्चित करना और राज्य की विद्युत अवसंरचना को और मजबूत बनाना है।

# मंत्री नितेश राणे के बंगले के बाहर लावारिस बैग मिलने से हड़कंप

## सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच, सुरक्षा कड़ी

**मुंबई।** महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे के शासकीय आवास 'सुवर्णगढ़' बंगले के बाहर रविवार को एक लावारिस बैग मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, रविवार सुबह मुंबई पुलिस नियंत्रण कक्ष को बंगले के बाहर एक संदिग्ध बैग पड़े होने की जानकारी मिली। इसके बाद स्थानीय पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत मौके पर पहुंचीं।

## अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

घटना के बाद नितेश राणे के शासकीय आवास और आसपास के इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

## एहतियातन क्षेत्र सील

सुरक्षा कारणों से बंगले के आसपास के इलाके को सुरक्षित किया गया और आम लोगों की आवाजाही पर अस्थायी रोक लगाई गई। पुलिस ने किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए सभी आवश्यक सावधानियां बरतीं। मुंबई पुलिस ने लावारिस बैग को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की विस्फोटक सामग्री नहीं पाई गई है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि बैग किसका है और किस उद्देश्य से वहां रखा गया था, इसका पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। संदिग्ध गतिविधियों की भी निगरानी की जा रही है।

# पश्चिम रेलवे का डिजिटल टिकटिंग अभियान

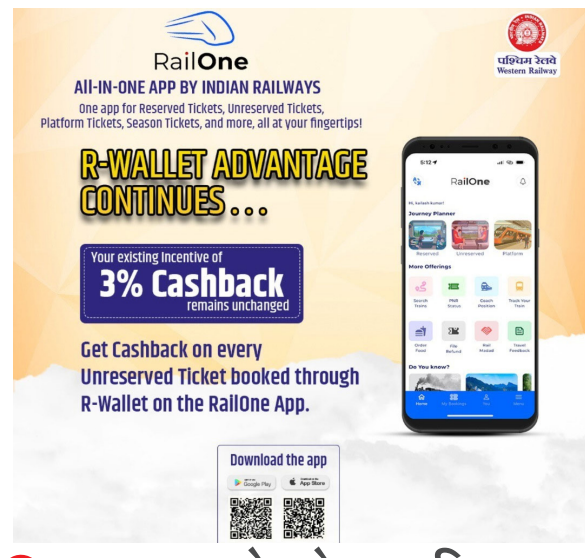


## RailOne ऐप से अनारक्षित टिकट पर 3% कैशबैक

**मुंबई।** पश्चिम रेलवे ने यात्रियों को रेलवन (RailOne) ऐप के माध्यम से डिजिटल, त्वरित और कैशलेस टिकटिंग अपनाने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य यात्रा को अधिक सुगम बनाना और यात्रियों की सुविधा बढ़ाना है। रेलवन ऐप एक एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रदान करता है, जिसमें आरक्षित और अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेनों की रियल टाइम जानकारी, ग्राहक सहायता और कई अतिरिक्त सेवाएँ उपलब्ध हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, टिकट बुकिंग और चेकिंग स्टाफ को ऐप की विशेषताओं के बारे में प्रशिक्षित किया गया है ताकि वे यात्रियों को प्रभावी मार्गदर्शन दे सकें। स्टेशनों पर पोस्टर, पर्चे, विशेष सहायता काउंटर और सार्वजनिक घोषणाओं के माध्यम से यात्रियों को ऐप के लाभों के बारे में बताया जा रहा है।

### 3% कैशबैक और डिजिटल भुगतान प्रोत्साहन

रेलवन ऐप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों के जरिए अनारक्षित टिकट बुक करने वाले यात्रियों को 3% कैशबैक मिलेगा। यह सुविधा 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। विशेष रूप से R-Wallet के माध्यम से भुगतान करने पर अतिरिक्त 3% बोनस के रूप में कैशबैक मिलेगा। वर्तमान में यूटीएस ऐप का उपयोग कर रहे यात्री रेलवन ऐप पर आसानी से स्थानांतरित हो सकते हैं। फ्लोचार्ट के माध्यम से सरल चरणबद्ध प्रक्रिया अपनाकर खाते और क्रेडेंशियल्स को रेलवन पर माइग्रेट किया जा सकता है। एंड्रॉयड और iOS उपयोगकर्ताओं के लिए QR कोड स्कैनर, स्टेशनों पर प्रशिक्षित स्टाफ और 139 टोल-फ्री हेल्पलाइन के माध्यम से यात्रियों को रेलवन ऐप तक आसान पहुँच प्रदान की जा रही है।

# बावनकुले ने कांग्रेस पर लगाया महिला-विरोधी होने का आरोप

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को कांग्रेस पर "महिला-विरोधी" होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर निकाय चुनाव खत्म होने तक 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' के तहत मासिक भत्ते के वितरण पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। बावनकुले ने संवाददाताओं से कहा कि वर्ष 2024 में शुरू की गई यह योजना 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं करती है।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) ने शनिवार को राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर सरकार को निर्देश देने की मांग की थी कि 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' के तहत दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 की किस्तें नगर निगम चुनाव समाप्त होने के बाद ही जारी की जाएं। इसका उद्देश्य एक करोड़ से अधिक महिला लाभार्थियों पर चुनाव के दौरान कोई प्रभाव न पड़ना था।

## भाजपा का घोषणापत्र जारी

इस अवसर पर बावनकुले ने नागपुर भाजपा अध्यक्ष दयाशंकर तिवारी के साथ नागपुर नगर निगम चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। तिवारी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें नागपुर के विस्तार और समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

## महिला-विरोधी रवैया

बावनकुले ने दावा किया कि कांग्रेस ने पहले भी इस योजना के खिलाफ इसी तरह के प्रयास किए थे। उन्होंने कहा कि योजना के शुरू होने पर कांग्रेस नेता नाना पटोले के एक करीबी सहयोगी ने उच्च न्यायालय का रुख किया था, जबकि पार्टी के अन्य नेताओं ने कहा था कि यदि कांग्रेस की सरकार बने तो यह योजना बंद कर दी जाएगी। बावनकुले ने कहा,'कांग्रेस का असली चेहरा जनता के सामने आ गया है। लाडकी बहिन योजना सरकार की एक चालू योजना है और यह आचार संहिता का उल्लंघन नहीं करती।"उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को लिखा गया कांग्रेस का पत्र उसके "महिला-विरोधी रवैये" को दर्शाता है।

## अजित पवार ने पिंपरी-चिंचवड़ के लिए एनसीपी का घोषणापत्र जारी किया

**पिंपरी।** नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार ने पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र 'सात संकल्प, एक नई शुरुआत' के नारे के साथ जारी किया। यह घोषणापत्र शहर की बुनियादी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और इसमें विकास का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। घोषणापत्र में रोज़ाना जलापूर्ति, सड़क सुधार, ट्रैफिक प्रबंधन, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और पारदर्शी विकास जैसी प्रमुख जरूरतों पर जोर दिया गया है।

स्वच्छ जलापूर्तिः हाई-प्रेशर नल, लीकेज-फ्री पाइपलाइन और नदियों का पुनर्जीवन।

ट्रैफिक-फ्री और गड्ढा-मुक्त शहरः समयबद्ध सड़क मरम्मत, डिजिटल शिकायत प्रणाली और फ्लाईओवर/मेट्रो परियोजनाओं की निगरानी।

देश का सबसे स्वच्छ शहरः कचरा पृथक्करण, वैज्ञानिक निपटान और हाउसिंग सोसाइटियों की भागीदारी।

सस्ते और हाई-टेक हेल्थकेयर सेंटरः नए अस्पताल, 100 सब-अर्बन क्लिनिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए सुविधाएं।

न्यूज़ ब्रीफ

## हाउस अरेस्ट के बावजूद धरनास्थल पर पहुंचे अजय राय

वाराणसी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय रविवार को पुलिस द्वारा हाउस अरेस्ट किए जाने के बावजूद बाद में अपने आवास से बाहर निकल आए और समर्थकों के साथ शहर के मैदागिन स्थित टाउन हॉल पहुंचे। वहां उन्होंने गांधी प्रतिमा के समक्ष आयोजित 'मनरेगा बचाओ संग्राम' प्रदर्शन में भाग लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान अजय राय ने मनरेगा योजना के नाम में परिवर्तन के प्रयासों पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि मनरेगा एक राष्ट्रीय पहचान बन चुकी योजना है और इसके नाम से किसी प्रकार की छेड़छाड़ करना मजदूरों और गरीबों के हितों के खिलाफ है। उन्होंने सवाल उठाया कि वर्षों से चली आ रही इस योजना के नाम में आखिर क्या कमी है, जिसे बदलने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व रविवार सुबह चेतगंज थाना क्षेत्र स्थित उनके आवास पर पुलिस ने एहतियातन हाउस अरेस्ट की कार्रवाई की थी। इस दौरान घर के बाहर बैरिकेडिंग कर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रदर्शन में शामिल होकर सरकार के फैसलों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने में सफल रहे।

## मानसिक रोगी निकला राम मंदिर में नमाज पढ़ने वाला

अयोध्या। राम मंदिर परिसर में संदिग्ध गतिविधि को लेकर उठी चिंताओं पर रविवार को विराम लग गया। सीता रसोई क्षेत्र के पास नमाज अदा करने का प्रयास करने वाले व्यक्ति की जांच के बाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि संबंधित युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ है और किसी साजिश या आपराधिक मंशा से उसका कोई संबंध नहीं पाया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक की पहचान जम्मू-कश्मीर के सोपिया निवासी अहद शेख के रूप में हुई है, जिसका वर्ष 2024 से जम्मू मेडिकल कॉलेज में मानसिक उपचार चल रहा है। अयोध्या पुलिस ने उसकी चिकित्सीय पृष्ठभूमि से जुड़े दस्तावेज मंगवाए, साथ ही जम्मू पुलिस और सीआरपीएफ से भी सत्यापन कराया गया। सभी स्तरों पर की गई जांच में कोई संदिग्ध तथ्य सामने नहीं आया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अहद शेख के परिजन जम्मू-कश्मीर से अयोध्या के लिए रवाना हो चुके हैं। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद युवक को उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मंदिर परिसर और शहर की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है।

# बुलबुल दंगल: विंध्यधाम में जीवंत हुई परंपरा

## हनुमान मंदिर में आयोजित अनूठी प्रतियोगिता ने दर्शकों में भरा रोमांच

एजेंसी । मीरजापुर

विंध्यधाम की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माने जाने वाला प्राचीन बुलबुल दंगल एक बार फिर पूरे शबाब पर नजर आया। पुरानी वीआईपी रोड स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित इस अनूठी प्रतियोगिता ने सुबह से देर रात तक दर्शकों को रोमांच और उत्साह से सराबोर रखा।

### 117 टीमों ने की सहभागिता

मकर संक्रांति से चार दिन पूर्व होने वाले इस पारंपरिक आयोजन में इस वर्ष 117 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रत्येक टीम चार बुलबुलों के साथ मैदान में उतरी। दस चरणों में चले मुकाबलों के बाद रात लगभग 12 बजे विजेताओं की घोषणा की गई, जिससे आयोजन ऐतिहासिक बन गया।

### लोक संस्कृति का उत्सव बना आयोजन

प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका राजू पाठक, धीरज मिश्र और रतन मोहन मिश्र ने निभाई। कार्यक्रम के दौरान तारा चंद गुप्ता, संजय पांडेय, पवन मिश्रा, अश्वनी उपाध्याय, संदीप उपाध्याय, अभय मिश्रा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, बुलबुल मालिक और खेल प्रेमी मौजूद रहे। पूरी रात विंध्यधाम में परंपरा, उत्साह और लोकसंस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

### कल्लू-6 क्लब ने मारी बाजी

प्रतियोगिता का सबसे रोचक और संघर्षपूर्ण मुकाबला कल्लू-6 क्लब के मालिक यस पांडेय और अद्विक क्लब-2 के मालिक यस पाठक की बुलबुलों के बीच देखने को मिला। करीब आधे घंटे तक चले इस दंगल में दोनों पक्षों की बुलबुलों ने जबरदस्त फुर्ती और दमखम दिखाया। अंततः कल्लू-6 क्लब की बुलबुल ने जीत दर्ज कर प्रथम स्थान हासिल किया।

### शीर्ष चार टीमों को मिला सम्मान

प्रतियोगिता में अद्विक क्लब-2 को दूसरा, भीम क्लब-2 को तीसरा और डी कंपनी को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार के रूप में सोफा सेट, द्वितीय पुरस्कार में डाइनिंग टेबल तथा तृतीय और चतुर्थ स्थान पर रहने वाली टीमों को आलमारी भेंट की गई।

### सभी बुलबुलों को किया गया मुक्त

आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता पूरी होने के बाद सभी बुलबुलों को सुरक्षित रूप से मुक्त कर दिया गया। इसके साथ ही भाग लेने वाली सभी टीमों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे खेल भावना का संदेश भी दिया गया।

# प्रशासनिक सख्ती के आगे नहीं लग सका संडे बाजार, नारेबाजी

एजेंसी । फर्रुखाबाद

जनपद फर्रुखाबाद में रविवार को प्रशासन और पुलिस की कड़ी निगरानी के चलते चौक नेहरू रोड पर वर्षों से लगने वाला संडे बाजार नहीं लग सका। निर्धारित स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती के कारण फुटपाथी दुकानदारों को बाजार लगाने की अनुमति नहीं मिली, जिससे व्यापारियों में भारी निराशा देखी गई।

### फुटपाथी दुकानदारों ने जताया आक्रोश

संडे बाजार न लग पाने से आहत दुकानदार बिजली घर के समीप एकत्र हुए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया। दुकानदारों का कहना था कि साप्ताहिक बाजार उनके रोजगार का प्रमुख साधन है और अचानक प्रतिबंध लगाए जाने से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। हालांकि विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा।

### प्रशासन ने पहले ही दे दी थी चेतावनी

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, शनिवार देर रात ही पुलिस ने व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों को स्पष्ट रूप से सूचित कर दिया था कि रविवार को फुटपाथ पर किसी भी प्रकार का बाजार नहीं लगने दिया जाएगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी दर्शन सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दुकानदारों को सख्त शब्दों में चेताया। उन्होंने व्यापारियों को बाजार लगाने के बजाय सिटी मजिस्ट्रेट अथवा उच्च प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता करने की सलाह दी। पुलिस की मुस्तैदी के चलते किसी भी तरह की अव्यवस्था नहीं हुई और अंततः व्यापारी मायूस होकर लौट गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में यातायात और सार्वजनिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए फुटपाथों पर अवैध बाजार लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

# हार्ट अटैक से घबराएं नहीं 60 पैसे की डिस्प्रिन चबाएं

**समय पर लिया गया सही कदम बचा सकता है रोगी की जान: डा. राकेश वर्मा**

**हृदय रोग संस्थान के निदेशक ने कहा- शुरुआती संकेत मिलते ही लें परामर्श**

एजेंसी । कानपुर

दिल का दौरा पड़ने की स्थिति में तत्काल सही निर्णय जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय कर सकता है। हृदय रोग संस्थान के निदेशक डॉ. राकेश वर्मा ने आमजन से अपील की है कि हार्ट अटैक के शुरुआती संकेत मिलते ही दो डिस्प्रिन टैबलेट चबाकर सेवन करना बेहद लाभकारी साबित हो सकता है।

### गोल्डन ऑवर में प्राथमिक उपचार की भूमिका अहम

डॉ. वर्मा के अनुसार, हार्ट अटैक के बाद शुरुआती चार घंटे अत्यंत निर्णायक होते हैं, जिन्हें चिकित्सा विज्ञान में 'गोल्डन ऑवर' कहा जाता है। इस अवधि में त्वरित प्राथमिक उपचार से जान का जोखिम काफी हद तक कम किया जा सकता है। मात्र 60 पैसे की लागत वाली डिस्प्रिन टैबलेट इस दौरान मरीज के लिए संजीवनी की तरह काम कर सकती है। उन्होंने बताया कि अक्सर लोग सीने में दर्द, पसीना आना या सांस लेने में परेशानी को गैस या थकान समझकर अनदेखा कर देते हैं। यही लापरवाही कई बार जानलेवा साबित होती है। समय पर प्रतिक्रिया न देने से रक्त के थक्के तेजी से बढ़ते हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो जाती है। डिस्प्रिन में मौजूद रसायन रक्त को पतला करने में सहायक होते हैं। चबाकर लेने पर यह दवा तेजी से खून में घुल जाती है और थक्का बनने की प्रक्रिया को धीमा कर देती है। इससे मरीज को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए आवश्यक समय मिल जाता है और जान का खतरा लगभग 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिस्प्रिन हार्ट अटैक का स्थायी इलाज नहीं है, बल्कि यह केवल आपात स्थिति में दी जाने वाली प्राथमिक सहायता है। इसका उद्देश्य मरीज को सुरक्षित रूप से अस्पताल तक पहुंचाने के लिए समय उपलब्ध कराना है, ताकि विशेषज्ञ इलाज संभव हो सके।

## राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह के आवास पर हमला

**नई दिल्ली/प्रतापगढ़।** प्रतापगढ़ के कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह के दिल्ली स्थित आवास पर रविवार को हमला होने की जानकारी सामने आई है। इस घटना का खुलासा उनकी बड़ी बेटी राघवी कुमारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो और बयान साझा कर किया। राघवी ने कहा कि उनका परिवार गंभीर खतरे में है और तत्काल सुरक्षा तथा निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। राघवी कुमारी के अनुसार, यह हमला दिल्ली के ग्रीन पार्क स्थित आवास पर हुआ, जबकि उनका परिवार पिछले कई वर्षों से लगातार धमकियों और भय के माहौल में जी रहा है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के लिए कई बार पुलिस और अन्य संबंधित अधिकारियों से मदद मांगी गई और शिकायतें दर्ज कराई गईं, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने हाल ही में सफदरजंग थाने में लिखित शिकायत देकर एफआईआर दर्ज कराने का प्रयास भी किया था। एमपी-एमएलए कोर्ट: सुनवाई से ठीक एक दिन पहले हुआ हमला।

# मकर संक्रांति: तिल-गुड़ की मिठास से महका घर-आंगन

एजेंसी । पटना

सर्द हवाओं के बीच जैसे ही गलियों में तिलकुट की खुशबू फैलने लगती है और बाजारों में लाई-मुरही की खनक सुनाई देने लगती है, वैसे ही यह संकेत मिल जाता है कि मकर संक्रांति का पर्व नजदीक है। शहरों से लेकर गांवों तक धीरे-धीरे उत्सव का रंग चढ़ने लगा है। घरों में साफ-सफाई, रसोई में पारंपरिक पकवानों की तैयारी और बाजारों में बढ़ती चहल-पहल पर्व की आहट को साफ तौर पर महसूस कराती है।

### ठंड के बीच नई उमंग का पर्व है संक्रांति

मकर संक्रांति भारतीय परंपरा का वह पर्व है, जो मौसम के परिवर्तन के साथ जीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है। इस समय सूर्य के उत्तरायण होने के साथ ही दिन बड़े होने लगते हैं और शीत ऋतु की तीव्रता कम होने लगती है। खासकर बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में तिल, गुड़ और लाई को इस पर्व का अभिन्न हिस्सा माना जाता है, जो स्वास्थ्य और संस्कृति—दोनों से जुड़ा है। मकर संक्रांति के नजदीक आते ही बिहार के बाजारों में रौनक लौट आई है। चौक-चौराहों पर तिलकुट, गजक, चिक्की और गुड़ की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। कारीगर दिन-रात मेहनत कर पारंपरिक तरीके से तिलकुट तैयार कर रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि आधुनिक मिठाइयों के बावजूद तिल और गुड़ से बने व्यंजनों की मांग हर साल बनी रहती है।

### घरों में शुरू हुई पारंपरिक पकवानों की तैयारी

लाई और मुरही की दुकानों पर बच्चों की विशेष भीड़ देखने को मिल रही है। ग्रामीण इलाकों में आज भी घर-घर लाई बनाने की परंपरा जीवित है, जहां महिलाएं सामूहिक रूप से इसे तैयार करती हैं। पर्व के आगमन के साथ ही रसोईघरों में तिल-गुड़ के लड्डू, तिलकुट, दही-चूड़ा और अन्य पारंपरिक व्यंजन बनने लगे हैं। परिवार के सदस्य मिलकर इन तैयारियों में जुटे हैं, जिससे त्योहार का उल्लास और बढ़ गया है।

### मेल-मिलाप और लोकसंस्कृति का पर्व

मकर संक्रांति सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है। इस अवसर पर लोग एक-दूसरे को तिलकुट और गुड़ भेंट करते हैं, रिश्तों में मिठास घोलते हैं और बड़ों का आशीर्वाद लेते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में मेलों, सामूहिक भोज और लोकगीत-संगीत के कार्यक्रमों से पर्व की छटा और निखर जाती है। यह पर्व कारीगरों के लिए भी खास होता है। तिलकुट और लाई बनाने वाले कारीगरों का कहना है कि यह समय उनकी मेहनत का फल पाने का होता है। पीढ़ियों से चली आ रही यह कला न केवल उनकी पहचान है। मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का पर्व है। इसे सूर्य के उत्तरायण होने का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन किया गया दान, स्नान और पुण्य कर्म विशेष फलदायी होता है। साथ ही यह मौसम परिवर्तन और नई फसल के स्वागत का भी पर्व है। देश के हर कोने में यह पर्व अलग नाम और परंपराओं के साथ मनाया जाता है, लेकिन संदेश एक ही होता है—नई शुरुआत, समृद्धि और सौहार्द।

# व्यापार जगत

# साप्ताहिक समीक्षा: घरेलू शेयर बाजार में गिरावट

## बीते सप्ताह लगातार दिखी कमजोरी, वैश्विक दबाव भी कारण

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार ने सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार में लगातार कमजोरी दिखाई और साप्ताहिक आधार पर दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने गिरावट के साथ सप्ताह का अंत किया। बीएसई सेंसेक्स 2,185.77 अंक लुढ़क कर 83,576.24 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 645.25 अंक की गिरावट के साथ 25,683.30 अंक पर पहुंच गया।

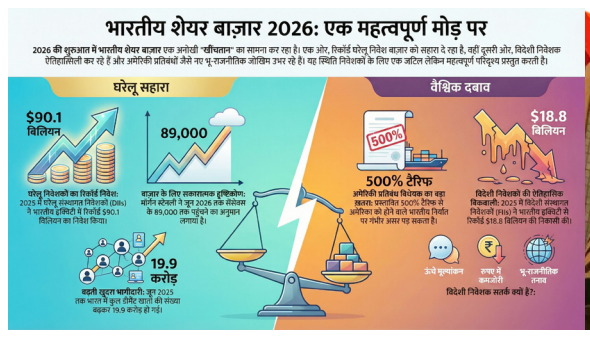


### लार्जकैप और मिडकैप इंडेक्स में कमजोरी

बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स इस सप्ताह 2.50% कमजोर हुआ। इसमें आईडीबीआई बैंक, स्विगी, ट्रेंट लिमिटेड, अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस और वारी एनर्जिज के शेयर टॉप लूजर्स रहे। वहीं, टाइटन, यूनियन बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईसीआईसीआई बैंक, डिवीज लेबोरेट्रीज, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया और ल्यूपिन के शेयर साप्ताहिक आधार पर बढ़त के साथ टॉप गेनर्स में शामिल रहे।

### सेक्टोरल कमजोरी और प्रमुख इंडेक्स की स्थिति

निफ्टी के ऑयल एंड गैस, एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर इंडेक्स में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। रियल्टी, मेटल, मीडिया और ऑटोमोबाइल इंडेक्स में भी दो प्रतिशत से अधिक की कमजोरी रही। इसके अलावा, डिफेंस इंडेक्स 1.3 प्रतिशत कमजोर हुआ, जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स 1 प्रतिशत कमजोर होकर सप्ताह समाप्त हुआ।

### स्मॉलकैप शेयरों में भारी बिकवाली

साप्ताहिक आधार पर सबसे ज्यादा गिरावट स्मॉलकैप इंडेक्स में देखी गई। इस इंडेक्स में शामिल ज्यादातर कंपनियों के शेयर 15% से 23% तक की गिरावट के साथ सप्ताह का अंत करने को मजबूर हुए। सिस्टमैटिक्स कॉरपोरेट सर्विसेज, वर्थ इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग, बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज, स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, संदूर मैंगनीज, वीटीएम, किरी इंडस्ट्रीज, इंडियन मेटल एंड फेरो एलॉयज जैसे शेयरों पर भारी बिकवाली देखने को मिली।

### वैश्विक घटनाक्रम और विदेशी निवेशक दबाव

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से 500 प्रतिशत तक टैरिफ बढ़ाने की संभावना, ग्लोबल भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें निवेशकों में बेचैनी का प्रमुख कारण रहीं। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी ने कहा कि बाइपार्टिजन सैंक्शन बिल के चलते रूस के सहयोगी देशों के खिलाफ प्रस्तावित टैरिफ भारत और चीन जैसे देशों को प्रभावित कर सकते हैं। पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) ने 9,209.90 करोड़ रुपये की बिक्री की, जिससे बाजार पर दबाव बना।

# अगले हफ्ते आ रहे हैं छह नए आईपीओ

## निवेशकों की नजरें प्राइमरी मार्केट पर, मीडिया की भी एक कंपनी

एजेंसी । नई दिल्ली

अगले कारोबारी सप्ताह से प्राइमरी मार्केट में कंपनियों की भागीदारी बढ़ने वाली है। सोमवार, 12 जनवरी से शुरू होने वाले सप्ताह में छह कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च करेंगी। इनमें से एक अमागी मीडिया लैब्स का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट में है, जबकि बाकी पांच आईपीओ SME सेगमेंट के तहत सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले दो आईपीओ—भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और डिफ्रेल टेक्नोलॉजीज—में भी निवेशक 13 जनवरी तक बोली लगा सकते हैं। वहीं, इस सप्ताह पांच कंपनियां स्टॉक मार्केट में नई लिस्टिंग के जरिए एंट्री करेंगी।

### प्रमुख आईपीओ और उनकी विशेषताएं

सप्ताह के पहले दिन, 12 जनवरी को अवाना इलेक्ट्रो सिस्टम्स और नर्मदेश ब्रास इंडस्ट्रीज के आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। अवाना इलेक्ट्रो सिस्टम्स का इश्यू 35.22 करोड़ रुपये का है, जिसमें निवेशक 14 जनवरी तक बोली लगा सकते हैं। वहीं, नर्मदेश ब्रास इंडस्ट्रीज का आईपीओ 44.87 करोड़ रुपये का है और इसमें 15 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। 13 जनवरी को मेनबोर्ड सेगमेंट में अमागी मीडिया लैब्स का 1,788.62 करोड़ रुपये का बड़ा आईपीओ निवेशकों के लिए खुल रहा है। इसी दिन इंडो एसएमसी और जीआरई रीन्यू इनरटेक के SME आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध होंगे।

### आईपीओ में निवेश की आखिरी तारीख

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के 1,071.11 करोड़ रुपये के आईपीओ में निवेशक 13 जनवरी तक बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ को अब तक 8.18 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। इसी तरह डिफ्रेल टेक्नोलॉजीज के 13.77 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी मंगलवार तक बोली लगाई जा सकती है। इस सप्ताह कई कंपनियां स्टॉक मार्केट में नई लिस्टिंग के जरिए प्रवेश करेंगी। 13 जनवरी को गैबियन टेक्नोलॉजीज के शेयर BSE SME प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अगले दिन यजुर फाइबर्स और विक्ट्री इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के शेयर क्रमशः BSE और NSE SME प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन, 16 जनवरी को भारत कोकिंग कोल और डिफ्रेल टेक्नोलॉजीज के शेयर स्टॉक मार्केट में कारोबार शुरू कर सकते हैं।

# TCS के शेयरधारकों को मिल सकता है आकर्षक रिटर्न

## 12 जनवरी को कंपनी करेगी तिमाही और नौ महीने के नतीजों का ऐलान

**मुंबई।** टाटा ग्रुप की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (TCS) जल्द ही अपने वित्तीय नतीजों का खुलासा करने वाली है। BSE सेंसेक्स में सूचीबद्ध इस कंपनी का वर्तमान मार्केट कैप 11 लाख 60 हजार 682 करोड़ रुपये से अधिक है। TCS की बोर्ड मीटिंग 12 जनवरी 2026 को निर्धारित है, जिसमें दिसंबर 2025 तक की तिमाही और नौ महीने की वित्तीय रिपोर्ट को मंजूरी दी जाएगी, साथ ही इस मीटिंग में तीसरे अंतरिम डिविडेंड पर विचार किया जाएगा, जो निवेशकों के लिए अहम खबर है, क्योंकि TCS हमेशा शेयरधारकों को आकर्षक रिटर्न देती आई है।

### अंतरिम डिविडेंड और रिकॉर्ड डेट

कंपनी ने 23 दिसंबर 2025 को एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया था कि बोर्ड मीटिंग में अंतरिम डिविडेंड पर चर्चा होगी। हालांकि, डिविडेंड की रकम अभी स्पष्ट नहीं की गई है। यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो 17 जनवरी 2026 को कंपनी के रजिस्टर में नाम दर्ज शेयरधारक या डिपॉजिटरी रिकॉर्ड में बेनिफिशियल ओनर इस लाभ के पात्र होंगे। TCS की पिछली वित्तीय अवधि में अक्टूबर और जुलाई 2025 में 11-11 रुपये का अंतरिम डिविडेंड और जून 2025 में 30 रुपये का फाइनल डिविडेंड दिया गया था। TCS की बोर्ड मीटिंग में ऑडिटेड स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड फाइनेंशियल रिजल्ट पर चर्चा होगी। पिछली तिमाही के नतीजे 9 अक्टूबर 2025 को जारी किए गए थे, इसलिए इस बार भी तीसरी तिमाही के आंकड़े 12 जनवरी को लगभग उसी समय पर आने की संभावना है। IT सेक्टर में TCS के परिणाम निवेशकों और बाजार के मूड को प्रभावित करने वाले होते हैं।

# सर्राफा बाजार में सोना-चांदी ने दिखाई चमक

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेज़ी देखने को मिली है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,40,460 रुपए से 1,40,610 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,750 रुपए से 1,28,900 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आया है और यह 2,60,000 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

### देश के प्रमुख शहरों में सोने की कीमतें

मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,40,460 रुपए और 22 कैरेट सोना 1,28,750 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 1,40,510 रुपए और 22 कैरेट सोना 1,28,800 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह चेन्नई, कोलकाता और भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,40,460-1,40,510 रुपए और 22 कैरेट सोना 1,28,750-1,28,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच रही। लखनऊ और जयपुर के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत 24 कैरेट के लिए 1,40,610 रुपए और 22 कैरेट के लिए 1,28,900 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रही। पटना में 24 कैरेट सोना 1,40,510 रुपए और 22 कैरेट 1,28,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है।

### साप्ताहिक और अंतरराष्ट्रीय रुझान

साप्ताहिक आधार पर 24 कैरेट सोने की कीमत में 4,640 रुपए तक की तेजी दर्ज की गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 4,250 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,479.38 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। चांदी के भाव में भी 19,000 रुपए प्रति किलोग्राम तक की तेजी देखी गई है, और लंदन सिल्वर मार्केट में इसका हाजिर भाव 76.92 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया है।

# ईरान में हिंसक हुआ आंदोलन

## ट्रंप ने खौफनाक अंजाम से चेताया

### आयतुल्लाह अली खामेनेई द्वारा प्रदर्शनकारियों को दंगाई बताने पर बिगड़े हालात

**तेहरान/वाशिंगटन।** ईरान में 28 दिसंबर से शुरू हुआ महंगाई विरोधी जनआंदोलन अब व्यापक हिंसा और सत्ता-विरोधी विद्रोह का रूप ले चुका है। सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई द्वारा प्रदर्शनकारियों को "दंगाई" बताए जाने के बाद हालात और भड़क गए हैं। देश के कई हिस्सों में सुरक्षा बलों और आम नागरिकों के बीच तीखे संघर्ष की खबरें हैं, जिनमें भारी जान-माल के नुकसान का दावा किया जा रहा है। गौरतलब है कि आठ जनवरी से ईरान में इंटरनेट सेवाएं ठप हैं, जिससे स्वतंत्र जानकारी का प्रवाह बाधित हो गया है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बिगड़ते सुरक्षा हालात के चलते लुफ्थांसा, फ्लाई दुबई, टर्किश एयरलाइंस, एजेट, पेगासस, कतर एयरवेज और ऑस्ट्रियन एयरलाइंस सहित कई अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों ने ईरान के लिए अपनी उड़ानें रद्द या स्थगित कर दी हैं।

### 48 घंटों में भारी जनहानि का दावा

ईरान इंटरनेशनल द्वारा उपलब्ध कराए गए वीडियो फुटेज और स्थानीय स्रोतों के आधार पर दावा किया गया है कि बीते 48 घंटों के दौरान देशभर में कम से कम 2,000 लोगों की मौत हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने कई शहरों में प्रदर्शनकारियों पर घातक बल का इस्तेमाल किया। तेहरान के दक्षिणी क्षेत्र कहरीजाक, करज, फरदीस और पूर्वी तेहरान के अलगादिर अस्पताल से सामने आए वीडियो में बड़ी संख्या में शव देखे गए हैं। उत्तरी शहर रश्त के एक चिकित्सक ने बताया कि अकेले एक अस्पताल में 70 से अधिक शव लाए गए।

### सरकारी मीडिया का सख्त रुख

रिपोर्टों के मुताबिक, जनाक्रोश से निपटने के लिए ईरानी नेतृत्व ने संवाद के बजाय सख्ती का रास्ता अपनाया है। सरकारी टेलीविजन पर यह दावा किया जा रहा है कि स्थिति नियंत्रण में है।
एक प्रसारण में अभिभावकों को चेतावनी देते हुए कहा गया कि यदि वे अपने बच्चों की सुरक्षा चाहते हैं तो उन्हें सड़कों से दूर रखें। ईरान के लोकप्रिय चैनल-3 ने अशांति को "देश के खिलाफ सुनियोजित हमला" करार दिया और प्रदर्शनकारियों की कड़ी निंदा की।

### खामेनेई का आरोप: यह विदेशी साजिश

ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित अपने भाषण में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने आंदोलन को विदेशी ताकतों की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि सरकार इस चुनौती से "पूरी ताकत" से निपटेगी। सरकारी चैनलों पर मुख्य रूप से प्रदर्शनकारियों की हिंसा को दिखाया गया, जबकि सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर सीमित जानकारी दी गई।जनाक्रोश इस स्तर तक पहुंच गया है कि लोग अब शासन से जुड़े प्रतीकों को भी निशाना बना रहे हैं।

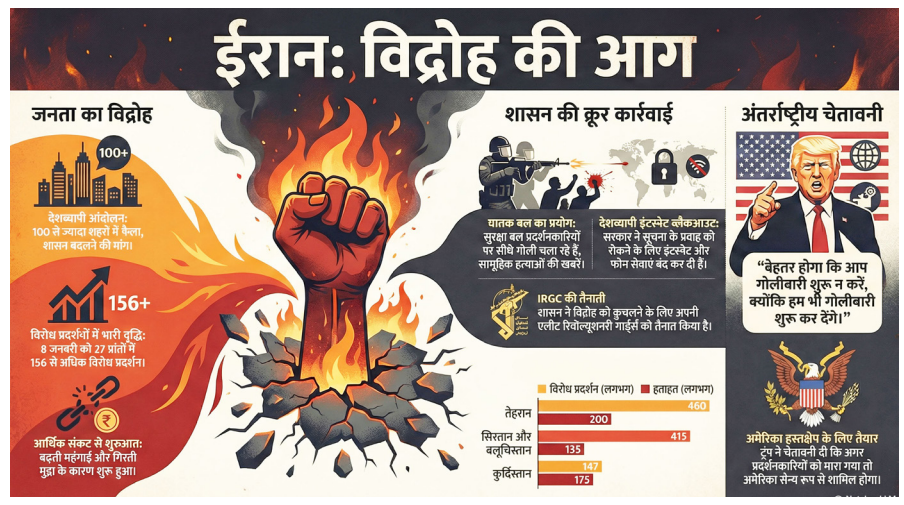


# सोमालीलैंड मुद्दे पर पाकिस्तान ने की इजराइल की आलोचना

**जेद्दा (सऊदी अरब)।** पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने सोमालीलैंड को मान्यता देने के प्रयासों को लेकर इजराइल की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इजराइली विदेश मंत्री की सोमालीलैंड यात्रा सोमालिया की संप्रभुता पर सीधा हमला है। इशाक डार ने यह बयान इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक में दिया। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज चैनल के अनुसार, उन्होंने परिषद के असाधारण सत्र में इजराइल के इस कदम को अवैध और अवास्तविक करार दिया।

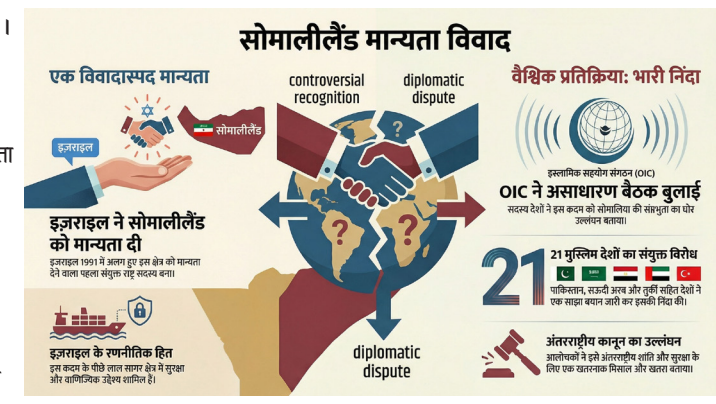


### संप्रभुता से समझौता स्वीकार नहीं

डार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत किसी भी देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता मौलिक होती है। बाहरी हस्तक्षेप से किसी देश की भौगोलिक वास्तविकता नहीं बदली जा सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि इजराइल का यह कदम हॉर्न ऑफ अफ्रीका और लाल सागर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

### सोमालिया के समर्थन में ओआईसी का संयुक्त बयान

पाकिस्तान ने ओआईसी के साथ जारी संयुक्त बयान में सोमाली जनता और सुरक्षा बलों के बलिदान की सराहना की और सोमालिया की संप्रभुता के प्रति समर्थन दोहराया।
इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान फिलिस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार के साथ खड़ा है। उन्होंने गाजा में युद्ध समाप्त करने और मानवीय सहायता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पाकिस्तान ने इस मुद्दे पर ओआईसी और अरब देशों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

### ओआईसी और सदस्य देशों की एकजुट प्रतिक्रिया

ओआईसी के महासचिव हुसैन इब्राहिम ताहा ने कहा कि संगठन सोमालिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का पूर्ण समर्थन करता है। सऊदी अरब, फिलिस्तीन, तुर्किये और सोमालिया के प्रतिनिधियों ने भी इजराइल के कदम को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए अस्वीकार्य करार दिया।

## न्यूज़ ब्रीफ

### गणतंत्र दिवस पर मंच साझा करेंगी संभल की अनुपमा सिंह

**संभल।** उत्तर प्रदेश के संभल जिले की बनियाखेड़ा ग्राम पंचायत से ताल्लुक रखने वाली लखपति दीदी अनुपमा सिंह ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की एक उल्लेखनीय पहचान बनकर राष्ट्रीय मंच पर पहुंच रही हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मंच साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। सीमित संसाधनों और पारंपरिक ग्रामीण परिस्थितियों से निकलकर अनुपमा सिंह का यह चयन देशभर की लखपति दीदियों में विशेष स्थान रखता है, क्योंकि पूरे भारत से चयनित 14 महिलाओं में वह एकमात्र ऐसी प्रतिभागी हैं जिन्हें केंद्रीय मंत्री के साथ सीधे संवाद का अवसर मिलेगा। 48 वर्षीय अनुपमा सिंह ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर गोमय आधारित उत्पादों, ब्यूटी पार्लर सेवाओं और मोटे अनाज से बने खाद्य उत्पादों को आजीविका का माध्यम बनाया।

### इंदौर में दूषित जल के सेवन से एक और मौत

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में दूषित जल आपूर्ति से जुड़ा संकट अभी पूरी तरह थमता नजर नहीं आ रहा है। भागीरथपुरा क्षेत्र में उपचार के दौरान एक और महिला की मौत के साथ ही इस जलजनित त्रासदी में मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। 49 वर्षीय सुनीता वर्मा को 7 जनवरी को गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी किडनी पर गहरा असर पड़ने के कारण शनिवार दोपहर उन्होंने दम तोड़ दिया। परिजनों के अनुसार, दूषित पानी के सेवन से उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई। प्रशासन की ओर से पोस्टमार्टम की प्रक्रिया रविवार को किए जाने की बात कही गई है।

# पारिवारिक विवाद में युवक ने छह लोगों की हत्या की

एजेंसी । मिसिसिपी

अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के क्ले काउंटी क्षेत्र में सामूहिक गोलीबारी की एक भयावह घटना ने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया। पारिवारिक विवाद और अचानक भड़के आक्रोश के बीच 24 वर्षीय युवक ने ग्रामीण क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर छह लोगों की जान ले ली। मृतकों में उसके परिजन, एक सात वर्षीय बच्ची और एक चर्च के पादरी शामिल हैं।
पुलिस के अनुसार, हमलावर ने पहले अपने ही घर में पिता, भाई और चाचा को गोली मारी, इसके बाद रिश्तेदार के घर में घुसकर एक मासूम बच्ची की हत्या कर दी और अंत में एक चर्च में जाकर दो लोगों को मौत के घाट उतार दिया।
घटना की सूचना मिलते ही कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र की

घेराबंदी कर आरोपी को सेडरब्लफ इलाके में एक पुलिस नाके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय उसके पास से एक राइफल और एक हैंडगन बरामद की गई है। क्ले काउंटी प्रशासन ने इसे राज्य की सबसे गंभीर आपराधिक घटनाओं में से एक बताते हुए संकेत दिए हैं कि अभियोजन पक्ष आरोपी के लिए कठोरतम सजा की मांग करेगा। फिलहाल आरोपी को बिना जमानत जेल में रखा गया है।

# नहीं बचे गजनी और औरंगजेब, सोमनाथ अब भी अडिग: पीएम

### सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए प्रधानमंत्री, कहा- भारत की आस्था अटूट

### आस्था का प्रतीक सोमनाथ मंदिर न झुका और न ही भारत की आत्मा कमजोर हुई

**सोमनाथ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हुए आक्रमण किसी आर्थिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि भारत की आस्था और आत्मसम्मान को तोड़ने के इरादे से किए गए थे। उन्होंने कहा कि यह पर्व किसी विध्वंस की स्मृति नहीं, बल्कि हजार वर्षों तक चले संघर्ष, पुनर्निर्माण और विजय की निरंतर यात्रा का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि दुर्भाग्यवश आज भी देश में ऐसी मानसिकता मौजूद है, जिसने स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था। सद्भावना ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है कि विदेशी आक्रांताओं ने सदियों तक भारत और उसकी आस्था को मिटाने का प्रयास किया, लेकिन न तो सोमनाथ झुका और न ही भारत की आत्मा कमजोर हुई।

### सोमनाथ का अर्थ अमरता से जुड़ा

उन्होंने सोमनाथ के इतिहास को रेखांकित करते हुए कहा कि महमूद गजनी से लेकर औरंगजेब तक कई आक्रांताओं ने इस पवित्र स्थल को नष्ट करने की कोशिश की, लेकिन वे यह भूल गए कि 'सोमनाथ' का अर्थ ही अमरता से जुड़ा है। हर बार विनाश के प्रयासों के बाद मंदिर और अधिक गौरव के साथ पुनर्निर्मित हुआ। 12वीं शताब्दी से लेकर मराठा शासिका अहिल्याबाई होलकर तक, सोमनाथ का इतिहास पराजय का नहीं, बल्कि सतत पुनर्निर्माण और आत्मसम्मान का इतिहास है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भी कुछ लोगों ने गुलामी की मानसिकता के कारण इस गौरवशाली इतिहास से दूरी बनाने का प्रयास किया। सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा सोमनाथ के पुनर्निर्माण के संकल्प का विरोध हुआ और 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति पर भी आपत्तियां जताई गईं।

### सामर्थ्य का संदेश दे रही धर्मध्वजा

संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पवित्र सोमनाथ मंदिर में इस महापर्व का साक्षी बनना उनके जीवन के सबसे अविस्मरणीय क्षणों में से एक है। उन्होंने कहा कि आज मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं और यह वही स्थल है जहां हजार वर्ष पूर्व हमारे पूर्वजों ने अपनी आस्था और विश्वास की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। आज भी मंदिर पर लहराती ध्वजा पूरे विश्व को भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सामर्थ्य का संदेश दे रही है। उन्होंने आह्वान किया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को, जो हजार वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा और 75 वर्षों के पुनर्निर्माण का प्रतीक है, मई 2027 तक उत्सव के रूप में मनाया जाए। इससे पूर्व प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ मंदिर में लगभग 40 मिनट तक विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने शिवलिंग पर जल, पुष्प और पंचामृत से अभिषेक किया, पुजारियों व स्थानीय कलाकारों से संवाद किया तथा पारंपरिक चेंदा वाद्य बजाकर शोभायात्रा में भी सहभागिता निभाई।

# शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर पथराव, सियासी टकराव तेज

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के पश्चिम मिदनापुर जिले में शनिवार रात राजनीतिक तनाव उस समय चरम पर पहुंच गया, जब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कथित तौर पर हमला किया गया। इस घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए, जबकि राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, शुभेंदु अधिकारी पुरुलिया में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद कोलकाता लौट रहे थे। रात लगभग साढ़े आठ बजे उनका काफिला चंद्रकोणा रोड के बाजार क्षेत्र में पहुंचा, जहां कुछ लोगों ने रास्ता रोककर वाहनों पर हमला कर दिया।

### पुलिस ने नहीं किया कोई हस्तक्षेप

नेता प्रतिपक्ष का आरोप है कि घटना के दौरान मौके पर मौजूद पुलिस ने हस्तक्षेप नहीं किया और केंद्रीय सुरक्षा बलों के समय पर सक्रिय होने से हालात और बिगड़ने से बचे। इस घटना के विरोध में शुभेंदु अधिकारी चंद्रकोणा रोड स्थित पुलिस चौकी पहुंचे और वहीं धरने पर बैठ गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, वे थाने से बाहर नहीं जाएंगे। अधिकारी ने यह भी कहा कि केवल औपचारिक शिकायत नहीं, बल्कि एफआईआर संख्या और धाराओं की लिखित जानकारी मिलने के बाद ही वे दस्तखत करेंगे।

### यौन शोषण: पूर्व कांग्रेस विधायक राहुल ममकूटथिल गिरफ्तार

**तिरुवनंतपुरम।** केरल की राजनीति में शनिवार देर रात उस समय हलचल मच गई, जब यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे पलक्कड़ विधायक राहुल ममकूटथिल को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कांग्रेस से निष्कासन के बाद से विवादों में घिरे ममकूटथिल पर एक और नए मामले के दर्ज होने के बाद यह कार्रवाई की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पथानामथिट्टा जिले के एक व्यक्ति की शिकायत के आधार पर विधायक के खिलाफ हाल ही में तीसरा यौन उत्पीड़न मामला दर्ज किया गया था। इसी सिलसिले में शनिवार आधी रात पलक्कड़ स्थित एक होटल से उन्हें हिरासत में लेकर पथानामथिट्टा ले जाया गया। मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को इस नए प्रकरण की जिम्मेदारी भी सौंप दी गई है।

ईरान के निर्वासित पूर्व युवराज रेजा पहलवी ने जारी किया भावनात्मक संदेश

# ईरानी जनता अकेली नहीं, जल्द लौटेंगे स्वदेश

### आंदोलनकारियों से पीछे नहीं हटने की अपील की

### जनता के भीतर बढ़ रहा रोष, जवान छोड़ रहे नौकरी

एजेंसी । तेहरान

ईरान में जारी सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बीच निर्वासन में रह रहे पूर्व युवराज रेजा पहलवी ने देशवासियों के नाम एक भावनात्मक संदेश जारी किया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किए गए अपने संबोधन में उन्होंने नागरिकों से आंदोलन को और मजबूती देने तथा सड़कों से पीछे न हटने की अपील की है। पहलवी ने कहा कि लगातार तीसरी रात ईरान के विभिन्न शहरों में उमड़ी जनभागीदारी ने सत्ता प्रतिष्ठान की नींव को हिला दिया है।

### हिंसक तत्वों के सहारे टिका मौजूदा शासन

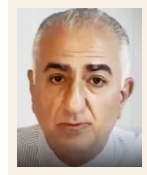

रेजा पहलवी ने अपने संदेश में कहा कि मौजूदा शासन अब केवल सीमित संख्या में हिंसक तत्वों के सहारे टिका हुआ है, जिनका भविष्य तय है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे संगठित होकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रमुख सड़कों पर एकत्र हों और किसी भी स्थिति में एक-दूसरे से अलग न पड़ें। साथ ही, उन्होंने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संकरी और जोखिम भरी गलियों से दूर रहने का आग्रह किया। पूर्व युवराज ने यह भी कहा कि ईरानी जनता इस संघर्ष में अकेली नहीं है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय उनकी आवाज़ सुन रहा है।

# CM साय का बड़ा ऐलान, छत्तीसगढ़ कर्मचारियों को केंद्र के समान DA

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। लंबे समय से महंगाई भत्ते की मांग कर रहे कर्मचारियों को राहत देते हुए मुख्यमंत्री ने DA में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। इसके साथ ही अब छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा।
मुख्यमंत्री साय ने यह घोषणा राज्य कर्मचारी संघ के आठवें प्रदेश अधिवेशन के दौरान की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज उन्हें कर्मचारियों की भावनाओं और अपेक्षाओं को समझने का अवसर मिला, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया।

### कर्मचारियों के हितों को लेकर सरकार गंभीर

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र से आए कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों से चर्चा के बाद राज्य कर्मचारियों को केंद्र के समान DA देने का फैसला किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों के हितों को लेकर पूरी तरह गंभीर है और उनसे जुड़ी अन्य लंबित मांगों पर भी विचार किया जा रहा है। सीएम साय ने बताया कि कर्मचारियों की शेष मांगों के समाधान के लिए एक समिति गठित की जाएगी, ताकि व्यावहारिक और संतुलित निर्णय लिया जा सके।
उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि संवाद के जरिए हर समस्या का समाधान निकाला जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के कई राज्य अब भी केंद्र के महंगाई भत्ते के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार ने कर्मचारियों को बराबरी का अधिकार देने का निर्णय लिया है। इससे पहले अगस्त 2025 में DA में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी, जिससे यह 55 प्रतिशत हुआ था।

# मनरेगा बचाओ आंदोलन पर टकराव, पुलिस लाठीचार्ज

### NSUI अध्यक्ष वरुण चौधरी गिरफ्तार, कई छात्र घायल

**वाराणसी।** वाराणसी में मनरेगा बचाओ आंदोलन के दौरान शनिवार को हालात तनावपूर्ण हो गए। पुलिस ने छात्रों और कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। इस दौरान नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (NSUI) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी को भी गिरफ्तार कर लिया गया।
NSUI के अनुसार, मनरेगा बचाओ संग्राम मार्च बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के लंका गेट से प्रधानमंत्री कार्यालय तक प्रस्तावित था। संगठन का दावा है कि यह मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से किया जा रहा था, लेकिन पुलिस ने बिना उकसावे के कार्रवाई की। NSUI का आरोप है कि पुलिस ने छात्रों और कार्यकर्ताओं के साथ बर्बरता की और लाठीचार्ज किया, जिसमें करीब 100 छात्र व कार्यकर्ता घायल हुए। इसके बाद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी को हिरासत में ले लिया गया।

### 'आवाज दबाई नहीं जा सकती'

वरुण चौधरी ने कहा कि यह कार्रवाई छात्रों, युवाओं और हाशिये पर खड़े समाज की आवाज से सत्ता के डर को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि कोई लाठी, कोई गिरफ्तारी और कोई दमन आदिवासी, दलित और बहुजन समाज की आवाज को दबा नहीं सकता। NSUI ने पुलिस कार्रवाई को असंवैधानिक बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। संगठन ने कहा कि मनरेगा की रक्षा और रोजगार के संवैधानिक अधिकार की हिफाजत के लिए राष्ट्रव्यापी आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

### छापेमारी और नजरबंदी का आरोप

NSUI ने आरोप लगाया कि आंदोलन से पहले वाराणसी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में छात्रावासों और छात्र आवासों पर छापेमारी की गई। कई छात्रों को घरों में नजरबंद किया गया, जबकि कुछ को जबरन थानों में ले जाया गया, जिससे भय और दमन का माहौल बनाया गया।
गिरफ्तारी से पहले NSUI अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा कि मनरेगा केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि बहुजन समाज के लिए जीवनरेखा और अस्तित्व का सवाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की संसदीय सीट वाराणसी में शांतिपूर्ण विरोध के जवाब में सरकार ने दमन का रास्ता अपनाया।

चुनावी चकल्लस

(अमित बृज)

## चुनावी चिलम और भक्ति का धुआँ

**जब-जब चुनाव का मौसम आता है, तो मुंबई की हवाओं में देशप्रेम से ज़्यादा बिरयानी की महक और देसी ठर्रे की गूँज सुनाई देने लगती है। नेता जी, जो साल भर आम जनता को इस तरह देखते थे जैसे कोई कुत्ता अपनी पुरानी हड्डी को देखता है, आजकल हर ऐरे-गैरे नत्थू-खैरे के गले ऐसे मिल रहे हैं मानो वह उनके बचपन का बिछड़ा हुआ कुंभ का भाई हो।**

### कल का सपना और आज का 'मेहनताना'

नेता जी का भाषण भी बड़ा कलात्मक है। वे भक्तों को ऐसे सपने दिखाते हैं जैसे कोई सेल्समैन चूहेदानी बेचते वक्त चूहे को मखमली गद्दे का लालच देता है। 'भैया, बस एक बार नगरसेवकी मिल जाए, फिर तुम देखना... हर भक्त के हाथ में स्मार्टफोन होगा और हर स्मार्टफोन में सरकारी टेंडर की पीडीएफ होगी!' लेकिन भक्त भी अब 'घाघ' हो गए हैं। दगडू जैसे किसी पुराने मजे हुए खिलाड़ी ने चिलम का कश खींचते हुए नेता जी के कान में फुसफुसा ही दिया कि महाराज, कल की सरकार तो डिजिटल होगी, पर आज का पेट तो फिजिकल है। ज़रा जेब ढीली कीजिए, वरना नारे में 'जिंदाबाद' की जगह 'मुर्दाबाद' निकलने में बस दो घूँट का ही फासला है।

### भक्त का 'व्रत' और नेता का 'प्रसाद'

भक्तों की स्थिति इस समय बड़ी विचित्र है। घर में पत्नी बेलन लेकर खड़ी है कि 'महीने भर का राशन कौन लाएगा?' और भक्त जी बाहर 'जिंदाबाद' के नारों से अपना गला फाड़ रहे हैं। भक्त का शरीर आजकल 'फोटोसिंथेसिस' (प्रकाश संश्लेषण) की प्रक्रिया पर नहीं, बल्कि नेता जी के 'प्रचार-संश्लेषण' पर चल रहा है। अजीब विडंबना है कि पेट खाली है, पर चेहरा चमक रहा है। घरवाली को लगता है कि पतिदेव कहीं तीर्थ यात्रा पर हैं, जबकि हकीकत यह है कि पतिदेव नेता जी की जीप के पीछे धूल फाँकते हुए 'विकास' ढूँढ रहे हैं। वह विकास, जो शायद अगले पाँच साल फिर किसी सरकारी फाइल में गहरी नींद सोने वाला है।

### क्या बोलती पब्लिक



बीएमसी चुनाव को लेकर मतदाता स्थानीय मुद्दों और कामकाज के रिकॉर्ड को महत्व दे रहे हैं। बदलाव की चाह भी है, लेकिन भरोसे की राजनीति अब भी असरदार है।

–सुशांत राजभर, मुंबई



बीएमसी चुनाव में मतदाता विकास और भरोसेमंद नेतृत्व को प्राथमिकता दे रहे हैं। कुछ नया आज़माना चाहते हैं, तो कई पारंपरिक दलों पर विश्वास जता रहे हैं।

–गौरव पाटिल, मुंबई

### हमें भेजें

**अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।**

विशेष रिपोर्ट

# निर्दलीय बिगाड़ रहे खेल




डीबीडी संवाददाता | मुंबई/वसई-विरार

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में शक्ति प्रदर्शन का दौर शुरू हो चुका है। भाजपा, शिंदे सेना, उद्धव सेना और मनसे जैसे प्रमुख दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती वे बागी उम्मीदवार बन गए हैं, जिन्हें पार्टी से टिकट नहीं मिला और अब वे निर्दलीय बनकर अपने ही पूर्व सहयोगियों की जीत में रोड़ा अटका रहे हैं। कई प्रभागों में निर्दलीय उम्मीदवार अब 'वोट कटवा' की भूमिका से आगे बढ़कर मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभर रहे हैं। इसकी वजह से मतों के विभाजन होने की पूरी संभावना है, जिसका सीधा असर अंतिम परिणामों पर पड़ेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि निर्दलीयों की मौजूदगी से होने वाला वोटों का बंटवारा अप्रत्याशित परिणाम दे सकता है। कई प्रभागों में जीत-हार का अंतर मात्र 200 से 500 वोटों के बीच सिमटने की संभावना है, जहाँ निर्दलीय उम्मीदवार निर्णायक साबित होंगे।

### बीएमसी में इस बार 565 निर्दलीय उम्मीदवार

देश की सबसे अमीर महानगरपालिका और 227 प्रभागों वाली बीएमसी में इस बार 565 निर्दलीय उम्मीदवार ताल ठोक रहे हैं। दक्षिण, उत्तर और पूर्वी मुंबई के इलाकों में बागियों ने मोर्चा खोल दिया है। जब प्रमुख दलों ने गठबंधन के समीकरणों के कारण वफादार कार्यकर्ताओं को दरकिनार किया, तो उन्होंने निर्दलीय नामांकन दाखिल कर मुकाबले को त्रिकोणीय और बहुकोणीय बना दिया।

### ▶▶ वसई-विरार में नगर सेवक बनने को 156 निर्दलीय मैदान में

## मुंबई के रण में 565 निर्दलीय

### हॉटस्पॉट प्रभाग: घाटकोपर और शिवाजी नगर में निर्दलियों की बाढ़

आंकड़ों के लिहाज से देखें तो बीएमसी के 44 प्रभाग ऐसे हैं जहाँ 10 से अधिक निर्दलीय मैदान में हैं। घाटकोपर पूर्व की रमाबाई कॉलोनी (प्रभाग 125) इस बार सबसे बड़ा हॉटस्पॉट है, जहाँ सर्वाधिक 21 निर्दलीय उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसी तरह प्रभाग 188 में 20 और शिवाजी नगर के प्रभाग 78 सहित भारत नगर व कोरबा मीठागर में 19-19 उम्मीदवार चुनावी दंगल में हैं। दक्षिण मुंबई लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कई प्रभागों में सीधा मुकाबला होने के बजाय बहुआयामी लड़ाई छिड़ गई है। जहाँ कुछ प्रभागों (198, 226, 227) में सीधी टक्कर है, वहीं उत्तर-पूर्व और उत्तर-मध्य मुंबई के 22 प्रभागों में निर्दलीयों का प्रभाव इतना गहरा है कि वे किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

**वसई-विरार नगर निगम के चुनावी रण में कुल 29 प्रभागों की 115 सीटों के लिए 547 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। जहाँ मुख्य राजनीतिक दलों ने 386 प्रत्याशी उतारे हैं, वहीं 156 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान में उतरकर बड़े दलों की चिंता बढ़ा दी है।**

### दलबदल और अपनों की बगावत ने बढ़ाई मुश्किलें

करीब 10 साल के लंबे अंतराल के बाद हो रहे इन चुनावों में टिकट वितरण को लेकर भारी असंतोष देखा जा रहा है। पिछले 4-5 वर्षों से जमीनी स्तर पर काम कर रहे कई पुराने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का पत्ता काटकर पार्टियों ने 'आयाराम-गयाराम' (दलबदलू नेताओं) को प्राथमिकता दी है। इसी नाराजगी के चलते कई निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने बगावत का झंडा बुलंद करते हुए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पर्चा भरा है। यह बागी उम्मीदवार अब अपनी ही मूल पार्टी के वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए तैयार बैठे हैं।

### बहुकोणीय मुकाबले में फंसा चुनावी पेंच

इस बार के चुनाव में भाजपा, शिंदे सेना, बहुजन विकास आघाडी (BVA), उद्धव सेना, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार) जैसे प्रमुख दलों के साथ-साथ वंचित बहुजन आघाडी, बसपा, सपा, एमआईएम और आप जैसे दल भी सक्रिय हैं। 29 प्रभागों में मुकाबला केवल दो या तीन पक्षों के बीच न रहकर बहुकोणीय हो गया है। स्थानीय विश्लेषकों का मानना है कि प्रभागों में हार-जीत का अंतर बहुत कम रहने वाला है, जहाँ निर्दलीय उम्मीदवारों को मिलने वाले कुछ सौ वोट भी दिग्गज नेताओं की हार का कारण बन सकते हैं।

### निर्दलियों का इतिहास और वर्तमान चुनौती

नगर निगम के पिछले चुनावी इतिहास पर नजर डालें तो निर्दलीयों का प्रभाव सीमित रहा है। पिछली बार केवल एक निर्दलीय उम्मीदवार, देवयानी धुमाळ ही जीत दर्ज करने में सफल रही थीं। हालांकि, इस बार की स्थिति काफी भिन्न है क्योंकि निर्दलीयों में ऐसे चेहरों की भरमार है जिनका अपने क्षेत्र में मजबूत व्यक्तिगत प्रभाव है। कई प्रभागों में निर्दलीयों ने अपना प्रचार अभियान इतनी तेजी से चलाया है कि उन्होंने प्रमुख दलों के आधिकारिक उम्मीदवारों के पसीने छुड़ा दिए हैं।

आर पार

अंधेरी पश्चिम विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

# दांव पर भाजपा मुंबई अध्यक्ष की प्रतिष्ठा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

**अंधेरी पश्चिम विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में इस साल राजनीतिक माहौल काफी गरमाया हुआ है और यह मुकाबला भाजपा के मुंबई अध्यक्ष विधायक अमित साटम के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन गया है। उद्धव सेना और मनसे गठबंधन द्वारा की गई आक्रमक घेराबंदी ने इस निर्वाचन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ा दी है। यहां त्रिकोणीय मुकाबला देखने मिल सकता है। इस चुनाव में उद्धव सेना और कांग्रेस को जीत हासिल करनी है, तो उन्हें एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा। हालांकि बीजेपी को थोड़ा फायदा मिल सकता है, क्योंकि इस विधानसभा से बीजेपी के मुंबई अध्यक्ष अमित साटम विधायक है।**



### जनरल महिला के लिए सिर्फ 3 प्रभाग

अंधेरी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में बीएमसी के छह प्रभाग 64, 65, 66, 67, 69 और 71आते है। इस साल कुल छह प्रभागों में से प्रभाग 64, 66 और 71 को जनरल महिला के लिए आरक्षित किया गया है। प्रभाग 65, 67 को जनरल कैटेगरी के लिए रखा गया है। इसके अलावा प्रभाग 69 को इस बार ओबीसी आरक्षण दिया गया है।

### मुस्लिम समुदाय और मराठी भाषियों की आबादी ज्यादा

इस विधानसभा सीट में मुस्लिम समुदाय और मराठी भाषियों की आबादी ज्यादा है। यहां कुल वोटर्स तकरीबन 4 लाख हैं। 95 हजार 900 मराठी भाषी, 96 हजार मुस्लिम, 58 हजार 300 उत्तर भारतीय, 73 हजार 100 गुजराती, मारवाड़ी, 20,600 ईसाई, 33 हजार 800 साउथ इंडियन और 18 हजार 500 अन्य है।

### वॉर्ड की स्थिति

विधायक साटम के साले और पूर्व नगरसेवक रोहन राठौड़ दूसरी बार वार्ड नंबर 68 से भाजपा के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे हैं। वार्ड नंबर 70 में भाजपा के पूर्व नगरसेवक अनीश मकवानी, उद्धव सेना के प्रसाद नागवकर और कांग्रेस के भूपेंद्र शिनगारे के बीच मुकाबला है। वार्ड नंबर 71 में भाजपा की पूर्व नगरसेविका सुनीता मेहता, उद्धव सेना की श्रद्धा प्रभु और निर्दलीय उम्मीदवार अजिता जानावले आमने-सामने हैं। मनसे के धुरी बनाम उद्धव सेना के बागी सणस वार्ड नंबर 65 में भाजपा के बंदेरी तिप्पाण्णा, उद्धव सेना के प्रसाद आयरे और कांग्रेस के हैदर सुफियान मोहसिन खान के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। वार्ड नंबर 66 में आरती पांड्या (भाजपा), सनाह मोहम्मद ईसा खान (उद्धव सेना) और हैदर मेहर मोहसिन के बीच कड़ी टक्कर है। वार्ड नंबर 67 में भाजपा के दीपक कोतेकर, मनसे के कुशल धुरी और उद्धव सेना के बागी दीपक सणस के बीच मुकाबला होगा। वार्ड नंबर 68 में भाजपा के पूर्व नगरसेवक रोहन राठौड़ और मनसे के संदेश देसाई के बीच की जंग काफी दिलचस्प होने वाली है। वहीं, वार्ड नंबर 69 में पूर्व नगरसेविका सुधा सिंह, उद्धव सेना के योगेश गोरे और कांग्रेस के प्रकाश येडगे एक-दूसरे के आमने-सामने हैं।

### भाजपा का दबदबा

वर्ष 2017 के चुनाव परिणामों के अनुसार, अंधेरी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रभागों में भाजपा का दबदबा रहा था, जहाँ पार्टी ने प्रभाग 67 से सुधा सिंह (10,719 वोट), प्रभाग 69 से रेनू हंसराज (8,266 वोट) और प्रभाग 71 से अनीश मकवाने (7,277 वोट) की जीत के साथ कुल 3 सीटों पर कब्जा किया था; वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस ने प्रभाग 65 में अल्पा जाधव (7,820 वोट) और प्रभाग 66 में मेहर मौसिन हैदर (11,228 वोट) के माध्यम से 2 सीटें जीती थीं, जबकि अविभाजित शिवसेना के खाते में प्रभाग 64 से शाहिदा खान (7,589 वोट) के रूप में केवल 1 सीट आई थी।

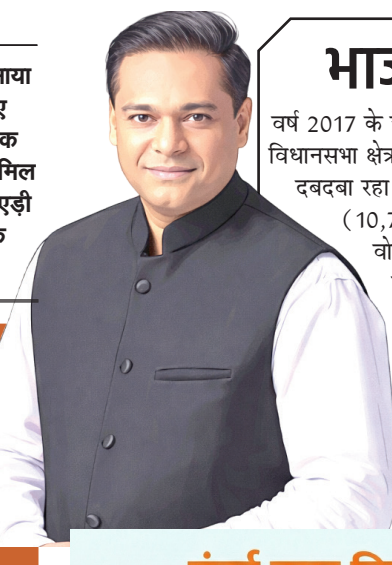




### अगर मैं नगरसेवक होता...



अगर मैं कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका का नगरसेवक होता, तो मेरा मुख्य लक्ष्य इस जुड़वा शहर की बुनियादी समस्याओं का जड़ से समाधान करना होता। सबसे पहले, मैं यहाँ की सड़कों की जर्जर हालत और गड्ढों की समस्या को प्राथमिकता देते हुए उच्च गुणवत्ता वाले कांक्रीट रोड का निर्माण सुनिश्चित करता ताकि नागरिकों का सफर सुरक्षित और सुगम हो सके। साथ ही, बढ़ती आबादी को देखते हुए कचरा प्रबंधन और बेहतर जल आपूर्ति के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करता। मैं डोंबिवली और कल्याण के रेलवे स्टेशनों के पास होने वाली भारी भीड़ और ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए 'फेरीवाला मुक्त क्षेत्र' और व्यवस्थित पार्किंग पर जोर देता। मेरा प्रयास होता कि स्थानीय उद्यानों और अस्पतालों का आधुनिकीकरण हो, ताकि आम जनता को स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए शहर के बाहर न जाना पड़े। एक नगरसेवक के रूप में, मैं केवल फाइलों तक सीमित न रहकर सीधे जनता के बीच जाता और उनकी शिकायतों के लिए एक डिजिटल शिकायत निवारण प्रणाली लागू करता, ताकि प्रशासन और नागरिकों के बीच पारदर्शिता बनी रहे।

–सुहास काटकर, डोंबिवली

### आंकड़ों में इलेक्शन

#### मुंबई क्षेत्र का चुनावी रिपोर्ट कार्ड

एक नज़र में देखें कि पिछले निकाय चुनावों में किस शहर ने सबसे ज्यादा और किसने सबसे कम मतदान किया।

**पनवेल: सबसे आगे**
59.72%
2017 के अपने पहले ही निगम चुनाव में सबसे ज्यादा मतदान दर्ज किया गया।

**मुंबई: बेहतर प्रदर्शन**
55.53%
2017 में मतदान 2012 के 44.75% से काफी ज्यादा रहा।

**नवी मुंबई: सुस्त प्रतिक्रिया**
48.35%
पिछले चुनाव में आधे से भी कम मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

**कल्याण-डोंबिवली: सबसे कम**
45.69%
2015 के चुनावों में मतदान का प्रतिशत इस क्षेत्र में सबसे कम रहा।

### क्या डोंबिवली का उत्साह बढ़ेगा?

कल्याण: यहाँ 2015 के नगर निगम चुनाव में 45.69% मतदान हुआ था। तब 12,50,646 मतदाताओं में से केवल 5,71,468 लोगों ने मतदान किया। 2026 के चुनाव के लिए मतदाताओं की कुल संख्या 14,24,520 है, जो 2015 की तुलना में 1,73,874 अधिक है। 2009 के चुनाव में यहाँ 46.59% मतदान हुआ था और डोंबिवली का मतदान प्रतिशत राज्य में नीचे से दूसरे स्थान पर था।

### ठाणे: क्या पिछला रिकॉर्ड बरकरार रहेगा?

ठाणे नगर निगम के 2017 के चुनाव में 58.08% मतदान हुआ था। इससे पहले 2012 में 51% और 2007 में 56.82% मतदान हुआ था। पिछली बार मतदान के प्रतिशत में बढ़ोतरी देखी गई थी क्योंकि तब सत्ताधारी भाजपा और शिवसेना के बीच कड़ा मुकाबला था। इस बार ये दोनों दल गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं।

### उल्हासनगर: इस बार कौन बढ़ाएगा प्रतिशत?

यहाँ 2017 में 46.4% और 2012 में 41.96% मतदान हुआ था। इस बार नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या शिंदे सेना, ओमी कलानी और साईं पार्टी के कार्यकर्ता मतदाताओं को घर से बाहर निकालने में सफल होते हैं, या अकेले चुनाव लड़ रही भाजपा मतदान प्रतिशत बढ़ाने में कामयाब रहती है।

चुनावी कविता

### पंचायत के चुनाव



शुभम नेगी

लाउडस्पीकर चिल्लाए—
दें अपना क़ीमती वोट
प्रधान पद के लिए
चैनसिंह को
रामलाल को
देशराज को

जब हम थक गए
लाउडस्पीकरों पर
कई चुनावों से चिपके
पुरुष नाम सुनकर
तो हमने औरत के लिए
कर दी सीट आरक्षित

अगली बार
लाउडस्पीकर चिल्लाए—
दें अपना क़ीमती वोट
प्रधान पद के लिए
घरवाली को
चैनसिंह की
रामलाल की
देशराज की।